रजिस्ट्री सं० डी० एल०-33004/99 REGD. NO. D. L.-33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 3993] नई दिल्ली, बुधवार, दिसम्बर 11, 2019/ अग्रहायण 20, 1941
No. 3993] NEW DELHI, WEDNESDAY, DECEMBER 11, 2019/AGRAHAYANA 20, 1941

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 10 दिसम्बर, 2019

का.आ. 4444(अ).— प्रारुप अधिसूचना भारत के राजपत्र, असाधारण, में भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन, मंत्रालय की अधिसूचना सं. का.आ. 3263(अ), तारीख 5 जुलाई, 2018, द्वारा प्रकाशित की गई थी जिसमें ऐसे सभी व्यक्तियों से, जिनकी उससे प्रभावित होने की संभावना थी, उस तारीख से, जिसको उक्त अधिसूचना को अन्तर्विष्ट करने वाले राजपत्र की प्रतियां जनता को उपलब्ध करा दी गई थीं, साठ दिन की अवधि के भीतर आक्षेप और सुझाव आमंत्रित किए गए थे;

और, उक्त प्रारूप अधिसूचना को अन्तर्विष्ट करने वाले राजपत्र की प्रतियां जनता को तारीख 5 जुलाई, 2018, को उपलब्ध करा दी गई थी;

और, उक्त प्रारुप अधिसूचना के उत्तर में व्यक्तियों और पणधारियों से प्राप्त आक्षेपों और सुझावों पर केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार किया गया था;

और, नंदनकानन वन्यजीव अभयारण्य उड़ीसा के 19 वन्यजीवों अभयारण्यों में से एक है, नंदनकानन प्राणी उद्यान को कंजिया झील और राज्य वनस्पति उद्यान के साथ वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के अन्तर्गत उड़ीसा सरकार द्वारा **3** अगस्त, 1979 को नंदनकानन वन्यजीव अभयारण्य के रूप में अधिसूचित किया गया जिसका क्षेत्र**फल** 4.37 वर्ग किलोमीटर **और** इसमें झूझागढ़ और कृष्णानगर संरक्षित वन और प्राकृतिक ताजा जल झील कंजिया, राष्ट्रीय महत्त्वपूर्ण आर्द्रभूमि शामिल है, **और** नंदनकानन चंदाका-दम्पारा वन्यजीव अभयारण्य के निकट स्थित है;

और, नंदनकानन वन्यजीव अभयारण्य विभिन्न जंगली वनस्पतियों और जंगली पशुओं के लिए उत्कृष्ट वास प्रदान करता है। यह अभयारण्य का उड़ीसा राज्य की जंगली वनस्पतियों और जीवजंतुओं के वाह्य स्वस्थाने संरक्षण के एकीकरण के लिए विशेष स्थान है और समृद्ध वनस्पति विविधता भी है। यह नंदनकानन के संरक्षित क्षेत्र में लगभग 704 जंगली वनस्पतियों की प्रजातियों में से 142 परिवारों को

प्रलेखित किया गया है और अभयारण्य से महत्त्वपूर्ण वनस्पति ओय (*दील्लेनिया रंम्दीका),* चाम्पका *(मिचेइलिया चाम्पका),* उहांटी (*अल्फोंसेअ मादरास्पेइनिया*), बरहिअल *(अन्नोना रेट्टेउइटा*), नेउआ (*अन्नुम: स्कूअरनोसा*), चिनि चम्पा *(अरटबोरटराय होकपेइलुस*), पोटमोस्सु चम्पटी (*पोल्यात्थिया केरासोइदेस*), देबदरू (*पोल्यालिहिया लोंगिफबल्लिया*), गुअकोलि (*पोइयाइथिया सुहेरोसा*), मुसाकानी, अकांबिंदी (*किस्साम्पेलोस पेरइरा),* दांदाहीया, दादाया (*कोक्कुलुस हीरसुलुस*), कालाजाटी नाइ (*टीलिइटकोरा अकुमिनाटा),* पदमा (*नेल्ल-महो नुकिफेरा),* अगरा (*अर्जेमोने मेक्सिकाना),* निफुरा (*कप्परिस ब्रेविसपीना),* असाधुआ (*कप्परिस जेलनिका*), बनासोरिसा (*मेंने क्विस्कोस*), बरुना (*क्रातिवा मगना*), मदन मस्तक (*ह्यूबंथुस एनेस्परमुस*), सुंदरी (*हिक्सा ओरेलना*), खाकाडा (*केसरिया ऐलीपलिका*), मिरागु (*फोलीगला आरवेंसिस*), सुरेटा (*पोलीकार्पोन प्रोस्ट्राटरन*), बाडबलबलुआ (*पोर्तुलाका ओलेराकिया*), बलबलुका (*पोर्तुलाका क्राडरिफिडा),* पौनान्ग (*कैलोफी थुन इनोफीडरहू*), चुरिआना (*मेम्मिया सुरीगा*), नगेसुर (*मेसुआ फ्रेआ*), बाना भेंडी (*अबेरनोस्कोस मनिहोत*), बानी, बनिया (*हिबिस्कुस तिलिएसुस*), बजरंतिलि (*सीड़ा अकुटा*) आदि अभिलिखित की गई है। यह वन्यजीव संरक्षण के लिए आगंतुकों के बीच जागरूकता उत्पन्न करने के लिए एक उत्कृष्ट स्थान रहा है और वन्यजीव अनुसंधान और प्रबंधन के लिए महत्त्वपूर्ण स्थल है;

और, नंदनकानन प्राणी उद्यान, में स्तनधारियों पक्षियों और सरीसृपों की 153 प्रजातियां, और मछलियों की 38 प्रजातियों का वास बढ़ रहा हैं। इसके अलावा, नंदनकानन वन्यजीव अभयारण्य मुक्त जंगली पशुओं, की कई प्रजातियों का वास स्थल है। अब तक, नंदनकानन वन्यजीव अभयारण्य के अंतर्गत स्तनधारियों की 13 प्रजातियां, पक्षियों की 71 प्रजातियां, सरीसृपों की **15** प्रजातियां, उभयचरों की 10 प्रजातियां, तितलियों की 85 प्रजातियां, ओडोनेटस की 54 प्रजातियां और मकड़ियों की 51 प्रजातियां प्रलेखित की गई है; अभयारण्य में मुख्य जीवजंतु सामान्य नेवला *(हेरपेस्टेस इडवारदसि),* सामान्य लंगूर (परेस्बयटीस *इन्टेल्लुस),* रीसस मैकाक्यू (*मैकाका मुलैटा),* तीन धारीदार पाम गिलहरी *(फुनाम्लुस पलरननारियम),* चूहा *(रैटस रैटस),* हार्स शूइ बैट *(रहिनोलोफोस लेपिडुस),* भारतीय लोमड़ी (*वुलपेस बैंगालेंसिस),* साल (*मानिस क्रैसिकाउडाटा*), ग्रे तीतर (*फरांकोलिनुस पोंदीकेरीअनुस),* लार्जर गोल्डन बैकेद वुडपेकर(*क्रिसोकोलेप्ट्स लुसिडस),* भारतीय नीलकंठ पक्षी (*कोरासिस बेंघालेंसिस), रूस्सेल्स सांप (दबोइआ रुस्सेल्ली), कोबरा* मोनोसेल्लाटा *(नाजा नाजा कौउथिया),* सामान्य भारतीय ब्राज़ बैक और ट्री स्नेक (डेन्ड्रेलाफिस टरिस्टिस*),* गिरगिट(चमेलेओन ज़ेलानिक्स*)* आदि पाए जाते है; नंदनकानन वन्यजीव अभयारण्य से कुछ दुर्लभ जीवजंतु जंगली सूअर (सस स्कोरोटा*),* रेटल (*मेल्लीवोरा कपेंसिस),* भारतीय साही *(हिस्ट्रीक्स इंडिका),* माउस हिरण या भारतीय शेवरोटैन (*ट्रागुलुस मेमिन्ना),* सामान्य एशियन मुसंग (*पराडाक्उरूस हेरमाफरोदीटेस),* सियार (*कैनिस ऑरियस*), बनबिलार (*फेल्लस चाओस),* छोटा भारतीय गंध बिलाव (*विवेररिकुला इंडिका),* धारीदार लकड़बग्घा *(ह्योना ह्योना),* इंडियन फ्लयिग लोमड़ी (*पटेरोपुस गिगंटूस),* लाल जंगली मटरमुर्गा (*गल्लुस गल्लुस मुर्गी),* छोटी जंगली मुर्गी (*गलोपेरडिक्स स्पॉडिसा),* सामान्य टील (*अनास क्रेक्का),* गडवाल (*अनास स्ट्रेपेरा),* उत्तरी सीखपर (*अनास अकुटा),* बाररेड बुत्तेंक्येइल (*टुरनिक्स सुसकिटाटोर),* पीला मोर्चा चितकबरी और महरत्ता कठफोडवा (*डेंड्रोकोपोस महराट्टेंसिस),* स्माल ग्रीन बारबेट (*मेगलाइमा विरिदिस),* कॉपर-स्मिथ बारबेट (मेगाइमा हेमाकेफला*),* ब्राउन-हेडेड बारबेट (*मेगलैमा जेलनिका),* सामान्य हुदहुद (*उपउपा एपोप्स),* ब्लू पतेना *(मेरोप्स फिलिप्पिनुस),* येलो मॉनिटर लिज़ार्ड (*वारानुस फल्वेस्केंस),* बांडेड करैत (*बुंगेरुस फससटस),* चैकेरेड कील बैक (*क्सेनोक्रोफिस पीसकटोर),* सामान्य ग्रीन व्हिप स्नेक (*अहैतुल्ला नसुता)* आदि अभिलिखित किए गए है। यह भारतीय मूल के पक्षियों की संख्या साल भर यहां रहती है और संरक्षित क्षेत्र के अंतर्गत ओपन बिल्ल स्ट्रोक, पर्पल मौरहेन, जकना, रेड जंगली पक्षी, भारतीय मोर, कोइल, बगुला, इगरेटस आदि का प्रजनन अभिलिखित किया गया है;

और, नंदनकानन वन्यजीव अभयारण्य के चारों ओर के क्षेत्र को, जिसका विस्तार और सीमाएं पारिस्थितिकी पर्यावरणीय से पारिस्थितिकी संवेदी जोन के रूप में पैरा 1 में विनिर्दिष्ट हैं, जैव विविधिता की दृष्टि सुरक्षित और संरक्षित करना और उक्त पारिस्थितिकी संवेदी जोन में उद्योगों या उद्योगों के वर्गों के प्रचालन और प्रसंस्करण करने को प्रतिषिद्ध करना आवश्यक है;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, पर्यावरण (संरक्षण) नियम, 1986 के नियम 5 के उपनियम (3) के साथ पठित पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 (1986 का 29) की धारा 3 की उपधारा और (1) उपधारा (2) के खंड (v) और खंड (xiv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उड़ीसा राज्य के कट्टक और खोरधा जिला में नंदनकानन वन्यजीव अभयारण्य की सीमा के चारों ओर 0 (शून्य) से 340 मीटर तक विस्तारित क्षेत्र को नंदनकानन वन्यजीव अभयारण्य पारिस्थितिकी संवेदी जोन (जिसे इसके पश्चात् इस अधिसूचना में पारिस्थितिकी संवेदी जोन कहा गया है), के रूप में अधिसूचित करती है, जिसके विवरण निम्नानुसार है, अर्थात् :-

1. पारिस्थितिकी संवेदी जोन का विस्तार और उसकी सीमाएं.-(1) पारिस्थितिकी संवेदी जोन का विस्तार नंदनकानन वन्यजीव अभयारण्य की सीमा के चारों ओर 0 **(**शून्य**)** से 340 मीटर तक विस्तृत है और पारिस्थितिकी संवेदी जोन का क्षेत्रफल 1.31 वर्ग किलोमीटर है। जिसमें कट्टक जिला में 0.18 वर्ग किलोमीटर और खोरधा जिला में 1.13 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र आता है**।** अभयारण्य की उत्तरी सीमा में पारिस्थितिकी संवेदी जोन का विस्तार शून्य मीटर **प्रस्तावित** है **(**अर्थात् सीमा स्तंभ सं**.**131 से 137 **)**के निकटवर्ती पी**.**डब्ल्यू**.** डी सड़क के साथ चंदाका**-**दम्पारा अभयारण्य के साथ सह**-विस्तारी** है।

(2) नंदनकानन वन्यजीव अभयारण्य और इसके पारिस्थितिकी संवेदी जोन की सीमा का विवरण **उपाबंध-I** के रूप में संलग्न है।

(3) सीमा विवरण और अक्षांश और देशांतर के साथ पारिस्थितिकी संवेदी जोन के सीमांकन नंदनकानन वन्यजीव अभयारण्य के मानचित्र **उपाबंध–IIक, उपाबंध–IIख** और **उपाबंध–IIग** के रूप में संलग्न है।

(4) पारिस्थितिकी संवेदी जोन और नंदनकानन वन्यजीव अभयारण्य की सीमा के भू निर्देशांकों की सूची **उपाबंध** III की सारणी **क** और सारणी **ख** में दी गई है।

(5) मुख्य बिंदुओं के भू**-**निर्देशांकों के साथ पारिस्थितिकी संवेदी जोन के अंतर्गत आने वाले ग्रामों की सूची **उपाबंध IV** के रूप में संलग्न है।

2. पारिस्थितिकी संवेदी जोन के लिए आंचलिक महायोजना– (1) राज्य सरकार, पारिस्थितिकी संवेदी जोन के प्रयोजनों के लिए राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से दो वर्ष की अवधि के भीतर, स्थानीय व्यक्तियों के परामर्श से और राज्य के सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन के लिए इस अधिसूचना में दिए गए अनुबंधों का पालन करते हुए आंचलिक महायोजना तैयार करेगी।

(2) राज्य सरकार द्वारा पारिस्थितिकी संवेदी जोन के लिए आचंलिक महायोजना ऐसी रीति से जो इस अधिसूचना में विनिर्दिष्ट किए गए हैं के अनुसार तथा सुसंगत केंद्रीय और राज्य विधियों के अनुरुप और केंद्रीय सरकार द्वारा जारी मार्गनिर्देशों, यदि कोई हों, द्वारा तैयार होगी ।

(3) आंचलिक महायोजना, उक्त योजना में पारिस्थितिकी और पर्यावरणीय बातों को समाकलित करने के लिए राज्य सरकार के निम्नलिखित विभागों के परामर्श से तैयार होगी:**-**

(i) पर्यावरण;

(ii) वन और वन्यजीव;

(iii) कृषि;

(iv) राजस्व;

(v) हाउसिंग और शहरी विकास;

(vi) पर्यटन;

(vii) ग्रामीण विकास;

(viii) सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण;

(ix) नगरपालिका;

(x) उड़ीसा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड;

(xi) पंचायती राज; और

(xii) लोक निर्माण विभाग (भवन और सड़के)।

(4) आंचलिक महायोजना अनुमोदित विद्यमान भू-उपयोग, अवसंरचना और क्रियाकलापों पर कोई निर्बंधन अधिरोपित नहीं करेगी जब तक कि इस अधिसूचना में इस प्रकार विनिर्दिष्ट न हो और आचंलिक महायोजना सभी अवसंरचना और क्रियाकलापों में जो अधिक दक्षता और पारिस्थितिकी अनुकूल हों का संवर्धन करेगी ।

(5) आंचलिक महायोजना में अनाच्छादित क्षेत्रों के जीर्णोद्धार, विद्यमान जल निकायों के संरक्षण, आवाह क्षेत्रों के प्रबंधन, जल**-**संभरों के प्रबंधन, जल संभर प्रबंधन, मृदा और नमी संरक्षण, स्थानीय समुदायों की आवश्यकताओं तथा पारिस्थितिकी और पर्यावरण से संबंधित ऐसे अन्य पहलुओं, जिन पर ध्यान देना आवश्यक है, के लिए उपबंध होंगे ।

(6) आंचलिक महायोजना विद्यमान और प्रस्तावित भूमि उपयोग विशेषताओं के ब्यौरों से अनुसमर्थित मानचित्र के साथ सभी विद्यमान पूजा स्थलों, ग्रामों और नगरीय बस्तियों, वनों के प्रकार और किस्मों, कृषि क्षेत्रों, ऊपजाऊ भूमि, हरित क्षेत्र जैसे उद्यान और उसी प्रकार के स्थान, उद्यान कृषि क्षेत्र, फलोउद्यान, झीलों और अन्य जल निकायों का अभ्यकंन करेगी।

(7) आंचलिक महायोजना पारिस्थितिकी संवेदी जोन में विकास को विनियमित करेगी और सारणी में सूचीबद्ध पैरा-4 में प्रतिषिद्ध और विनियमित क्रियाकलापों का अनुपालन करेगी और स्थानीय समुदायों की जीविका को सुरक्षित करने के लिए पारिस्थितिकी अनुकूल विकास को सुनिश्चित और उसकी अभिवृद्धि भी करेगी।

(8) आंचलिक महायोजना प्रादेशिक विकास योजना की सह-विस्तारी होगी ।

(9) इस प्रकार अनुमोदित आंचलिक महायोजना इस अधिसूचना के उपबंधों के अनुसार मानीटरी के अपने कार्यों को करने के लिए मानीटरी समिति के लिए एक संदर्भ दस्तावेज तैयार करेगी ।

3. **राज्य सरकार द्वारा किए जाने वाले उपाय.-** राज्य सरकार इस अधिसूचना के उपबंधों को प्रभावी करने के लिए निम्नलिखित उपाय करेगी, अर्थात्:-

(1) **भू-उपयोग.–** (क) पारिस्थितिकी संवेदी जोन में वनों, उद्यान कृषि क्षेत्रों, कृषि क्षेत्रों, मनोरंजन के प्रयोजनों के लिए चिन्हित किए गए पार्कों और खुले स्थानों का वाणिज्यिक या आवासीय या औद्योगिक संबद्ध विकास क्रियाकलापों के लिए उपयोग या संपरिवर्तन नहीं होगा:-

परंतु पारिस्थितिकी संवेदी जोन के भीतर भाग (क) में विनिर्दिष्ट प्रयोजनों से भिन्न प्रयोजन के लिए कृषि और अन्य भूमि का संपरिवर्तन मानीटरी समिति की सिफारिश पर और यथा लागू और क्षेत्रीय नगर योजना अधिनियम और केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार के अन्य नियमों तथा विनियमों के अधीन सक्षम प्राधिकारी के पूर्व अनुमोदन से, और इस अधिसूचना के उपबंधों द्वारा स्थानीय निवासियों की निम्नलिखित आवासीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अनुज्ञात किया जाएगा, जैसे-

(i) विद्यमान सड़कों को चौड़ा करना और उन्हें सुदृढ़ करना तथा नई सड़कों का संनिर्माण;

(ii) बुनियादी ढांचों और नागरिक सुविधाओं का संनिर्माण और नवीकरण;

(iii) प्रदूषण उत्पन्न न करने वाले लघु उद्योग;

(iv) कुटीर उद्योगों जिनके अंतर्गत ग्रामीण उद्योग भी हैं; सुविधाजनक भण्डार और स्थानीय सुविधाएं सहायक पारिस्थितिकी पर्यटन जिसके अन्तर्गत ग्रह वास सम्मिलित है; और

(v) पैरा 4 के अधीन दिए गए संवर्धित क्रियाकलाप:

परंतु यह और कि प्रादेशिक नगर योजना अधिनियम और राज्य सरकार के अन्य नियमों और विनियमों के अधीन सक्षम प्राधिकारी के पूर्व अनुमोदन और संविधान के अनुच्छेद 244 के उपबंधों या तत्समय प्रवृत्त विधि के उपबंधों के अनुपालन के बिना, जिसके अन्तर्गत अनुसूचित जनजाति और अन्य परंपरागत वन निवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम, 2006 (2007 का 2) भी है, वाणिज्यिक या औद्योगिक विकास क्रियाकलापों के लिए जनजातीय भूमि का उपयोग अनुज्ञात नहीं होगा:

परंतु यह और भी कि पारिस्थितिकी संवेदी जोन के भीतर भू-अभिलेखों में उपसंजात कोई गलती, मानीटरी समिति के विचार प्राप्त करने के पश्चात् राज्य सरकार द्वारा प्रत्येक मामले में एक बार ठीक होगी और उक्त गलती के सुधार की सूचना केंद्रीय सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को दी जाएगी:

परंतु यह और भी कि गलती के संशोधन में इस उप पैरा के अधीन यथा उपबंधित के सिवाय किसी भी दशा में भू-उपयोग का परिवर्तन सम्मिलित नहीं होगा।

(ख) वनीकरण तथा वास जीर्णोद्धार क्रियाकलापों सहित अनप्रयुक्त या अनुत्पादक कृषि क्षेत्रों में पुन: वनीकरण करने के प्रयास किए जाएंगे।

(2) **प्राकृतिक जल स्रोतों.-** आचंलिक महायोजना में सभी प्राकृतिक जल स्रोतों नदियों और जलमार्गों के आवाह क्षेत्रों की पहचान की जाएगी और उनके संरक्षण और नवीकरण के लिए योजना सम्मिलित होगी और राज्य सरकार द्वारा ऐसे क्षेत्रों पर या उनके निकट विकास क्रियाकलाप प्रतिषिद्ध करने के बारे में जो ऐसे क्षेत्रों के लिए अहितकर हो ऐसी रीति से मार्गदर्शक सिद्धांत तैयार किए जाएंगे ।

(3) **पर्यटन या पारिस्थितिकी पर्यटन.-** (क) पारिस्थितिकी संवेदी जोन के भीतर सभी नए पारिस्थितिकी पर्यटन क्रियाकलाप या विद्यमान पर्यटन क्रियाकलापों का विस्तार पर्यटन महायोजना के अनुसार पारिस्थितिकी संवेदी जोन के लिए होगा।

(ख) पर्यटन महायोजना राज्य पर्यटन विभाग द्वारा राज्य पर्यावरण और वन विभाग के परामर्श से तैयार होगी।

(ग) पर्यटन महायोजना आंचलिक महायोजना के एक घटक के रूप में होगी।

(घ) पर्यटन महायोजना पारिस्थितिकी संवेदी जोन की वहन क्षमता के आधार पर तैयार की जाएगी।

(ङ) पारिस्थितिकी पर्यटन संबंधी क्रियाकलाप निम्नानुसार विनियमित होंगे:-

(i) संरक्षित क्षेत्र की सीमा से एक किलोमीटर के भीतर या पारिस्थितिकी संवेदी जोन के विस्तार तक, इनमें जो भी निकट है, नये वाणिज्यिक होटल और सैरगाह के सन्निर्माण अनुज्ञात नहीं होंगे:

परंतु, संरक्षित क्षेत्र की सीमा से एक किलोमीटर की दूरी से परे पारिस्थितिकी संवेदी जोन के विस्तार तक होटलों और रिजॉर्ट का स्थापन केवल पूर्व परिभाषित और नामनिर्दिष्ट क्षेत्रों में पर्यटन महायोजना के अनुसार पारिस्थितिकी पर्यटन सुविधाओं के लिए ही अनुज्ञात होगा;

(ii) पारिस्थितिकी संवेदी जोन के भीतर नए पर्यटन क्रियाकलापों या विद्यमान पर्यटन क्रियाकलापों का विस्तार केंद्रीय सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के मार्गदर्शक सिद्धांतों के द्वारा तथा राष्ट्रीय व्याघ्र संरक्षण प्राधिकरण, द्वारा जारी पारिस्थितिकी–पर्यटन, पारिस्थितिकी-शिक्षा और पारिस्थितिकी-विकास पर बल देते हुए (समय-समय पर यथा संशोधित) जारी मार्गदर्शक सिद्धांतों के अनुसार होगा;

(iii) आंचलिक महायोजना का अनुमोदन किए जाने तक, पर्यटन के लिए विकास और विद्यमान पर्यटन क्रियाकलापों के विस्तार को वास्तविक स्थल विनिर्दिष्ट संवीक्षा और मानीटरी समिति की सिफारिश पर आधारित संबंधित विनियामक प्राधिकरणों द्वारा अनुज्ञात किया जाएगा और पारिस्थितिकी संवेदी जोन के भीतर किसी नये होटल या रिसोर्ट या वाणिज्यिक स्थापना का संनिर्माण अनुज्ञात नहीं किया जायेगा ।

(4) **नैसर्गिक विरासत.-** पारिस्थितिकी संवेदी जोन में महत्वपूर्ण नैसर्गिक विरासत के सभी स्थलों जैसे जीन कोश आरक्षित क्षेत्र, शैल विरचनाएं, जल प्रपातों, झरनों, घाटी मार्गों, उपवनों, गुफाएं, स्थलों, भ्रमण, अश्वरोहण, प्रपातों आदि की पहचान की जाएगी और विरासत संरक्षण योजना आंचलिक महायोजना के भाग के रुप में परिरक्षण और संरक्षण के लिए तैयार की जाएगी ।

(5) **मानव निर्मित विरासत स्थल.-** पारिस्थितिकी संवेदी जोन में भवनों, संरचनाओं, शिल्प-तथ्य, ऐतिहासिक, स्थापत्य, सौंदर्यपूरक और सांस्कृतिक महत्व के क्षेत्रों की और उपक्षेत्रों की पहचान और उनके संरक्षण के लिए विरासत योजना आंचलिक महायोजना के भाग के रुप में तैयार की जाएगी।

(6) **ध्वनि प्रदूषण.-** पर्यावरण अधिनियम के अधीन ध्वनि प्रदूषण (विनियमन और नियंत्रण) नियम, 2000 में नियत उपबंधों के अनुसार पारिस्थितिकी संवेदी जोन में ध्वनि प्रदूषण के नियंत्रण और निवारण का अनुपालन किया जाएगा।

(7) **वायु प्रदूषण.-** पारिस्थितिकी संवेदी जोन में, वायु प्रदूषण के निवारण और नियंत्रण का वायु (प्रदूषण निवारण और नियंत्रण) अधिनियम, 1981 (1981 का 14) और उसके अधीन बनाए गए नियमों के उपबंधों के अनुसार अनुपालन किया जाएगा।

(8) **बहिस्राव का निस्सारण.-** पारिस्थितिकी संवेदी जोन में उपचारित बहिस्राव का निस्सारण, साधारण मानकों के उपबंधों के अनुसार पर्यावरणीय अधिनियम और उसके अधीन बनाए गए नियमों के अधीन आने वाले पर्यावरणीय प्रदूषण के निस्सारण के लिए साधारण मानकों या राज्य सरकार द्वारा नियत मानकों, जो भी अधिक कठोर हो, के उपबंधों के अनुसार होगा।

(9) **ठोस अपशिष्ट.-** ठोस अपशिष्ट का निपटान और प्रबंधन निम्नानुसार किया जाएगा:-

(क) पारिस्थितिकी संवेदी जोन में ठोस अपशिष्ट का निपटान और प्रबंधन भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की अधिसूचना सं. का.आ. 1357(अ), तारीख 8 अप्रैल, 2016 द्वारा प्रकाशित ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016, के उपबंधों के अनुसार किया जाएगा। अकार्बनिक पदार्थो का निपटान पारिस्थितिकी संवेदी जोन से बाहर चिन्हित किए गए स्थानों पर पर्यावरण-अनुकूल रीति से किया जाएगा;

(ख) पारिस्थितिकी संवेदी जोन में मान्य प्रौद्योगिकियों (ईएसएम) का उपयोग करते हुए विद्यमान नियमों और विनियमों के अनुरूप ठोस अपशिष्ट का सुरक्षित और पर्यावरण-अनुकूल प्रबंधन अनुज्ञात किया जा सकेगा।

(10) **जैव चिकित्सा अपशिष्ट.-** जैव चिकित्सा अपशिष्ट का प्रबंधन निम्नानुसार किया जाएगा:-

(क) पारिस्थितिकी संवेदी जोन में जैव चिकित्सा अपशिष्ट का निपटान भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की अधिसूचना सं.सा.का.नि 343 (अ), तारीख 28 मार्च, 2016, द्वारा प्रकाशित जैव चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 के उपबंधों के अनुसार किया जाएगा।

(ख) पारिस्थितिकी संवदी जोन में मान्य प्रौद्योगिकियों का उपयोग करते हुए विद्यमान नियमों और विनियमों के अनुरूप जैव-चिकित्सा अपशिष्ट का सुरक्षित और पर्यावरण-अनुकूल प्रबंधन अनुज्ञात किया जा सकेगा।

(11) **प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन.-** पारिस्थितिकी संवेदी जोन में प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन का निपटान भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की समय-समय पर यथासंशोधित अधिसूचना सं.सा.का.नि 340(अ), तारीख 18 मार्च, 2016, द्वारा प्रकाशित प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 के उपबंधों के अनुसार किया जाएगा।

(12) **निर्माण और विध्वंस अपशिष्ट प्रबंधन.-** पारिस्थितिकी संवेदी जोन में संनिर्माण और विध्वंस अपशिष्ट प्रबंधन का निपटान भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की समय-समय पर यथासंशोधित अधिसूचना सं.सां.का.नि 317(अ), तारीख 29 मार्च, 2016, द्वारा प्रकाशित संनिर्माण और विध्वंस प्रबंधन नियम, 2016, के उपबंधों के अनुसार किया जाएगा ।

(13) **ई–अपशिष्ट.-** पारिस्थितिकी संवेदी जोन में ई–अपशिष्ट प्रबंधन का निपटान भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा, समय-समय पर यथासंशोधित, प्रकाशित ई–अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016, के उपबंधों के अनुसार किया जाएगा।

(14) **यानीय यातायात.-** यातायात की यानीय गतिविधियां आवास के अनुकूल विनियमित होंगी और इस संबंध में आंचलिक महायोजना में विशेष उपबंध सम्मिलित किए जाएंगे और आंचलिक महायोजना के तैयार होने और राज्य सरकार के सक्षम प्राधिकारी द्वारा अनुमोदित होने तक, मानीटरी समिति सुसंगत अधिनियमों और उसके अधीन बनाए गए नियमों और विनियमों के अनुसार यानीय क्रियाकलापों के अनुपालन को मानीटर करेगी ।

(15) **यानीय प्रदूषण.-** लागू विधियों के अनुपालन में यानीय प्रदूषण का निवारण और नियंत्रण किया जाएगा और स्वच्छक ईंधन के उपयोग के लिए प्रयास किए जाएंगे।

(16) **औद्योगिक ईकाइयां.-** (i) राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशन पर या उसके पश्चात पारिस्थितिकी संवेदी जोन के भीतर किसी नए प्रदूषण करने वाले उद्योगों की स्थापना अनुज्ञात नहीं की जाएंगी;

(ii) केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा फरवरी, 2016 में जारी मार्गदर्शक सिद्धान्तों में उद्योगों के वर्गीकरण के अनुसार, जब तक कि अधिसूचना में इस प्रकार विनिर्दिष्ट न हो; पारिस्थितिकी संवेदी जोन के भीतर केवल गैर- प्रदूषणकारी उद्योगों को अनुज्ञात किया जाएगा और इसके अतिरिक्त, गैर प्रदूषणकारी उद्योगों को बढ़ावा दिया जाएगा।

(17) **पहाड़ी ढलानों को संरक्षण.-** पहाड़ी ढलानों का संरक्षण निम्नानुसार होगा:-

(क) आंचलिक महायोजना पहाड़ी ढलानों पर क्षेत्रों का संकेत होगा जहां किसी भी संनिर्माण की अनुमति नहीं दी जाएगी;

(ख) कटाव के एक उच्च डिग्री के साथ विद्यमान खड़ी पहाड़ी ढलानों या ढलानों पर किसी भी संनिर्माण की अनुमति नहीं दी जाएगी ।

4. पारिस्थितिकी संवेदी जोन में प्रतिषिद्ध और विनियमित किए जाने वाले क्रियाकलापों की सूची.- पारिस्थितिकी संवेदी जोन में सभी क्रियाकलाप पर्यावरण अधिनियम के उपबंधों और उसके अधीन बनाए गए नियमों जिसके अन्तर्गत तटीय विनियमन जोन अधिसूचना 2011 और पर्यावरणीय समाघात निर्धारण अधिसूचना, 2006 और अन्य लागू विधियों के जिसमें वन (संरक्षण) अधिनियम, 1980 (1980 का 69), भारतीय वन अधिनियम, 1927 (1927 का 16), वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 (1972 का 53) सम्मिलित हैं और किये गये संशोधनों द्वारा शासित होंगे और नीचे दी गई सारणी में विनिर्दिष्ट रीति में विनियमित होंगे, अर्थात् :-

सारणी

क्रम सं. (1)	क्रियाकलाप (2)	वर्णन (3)
	क. प्रतिषिद्ध क्रियाकलाप	
1.	वाणिज्यिक खनन, पत्थर उत्खनन और अपघर्षण इकाईयां।	(क) सभी प्रकार के नए और विद्यमान खनन (लघु और वृहत खनिज), पत्थर की खानें और उनकों तोड़ने की इकाइयां वास्तविक स्थानीय निवासियों की घरेलू आवश्यकताओं जिसमें निजी उपयोग के लिए मकानों के संनिर्माण या मरम्मत के लिए धरती को खोदना और मकान बनाने के लिए देशी टाइल्स या ईंटों का निर्माण करना भी सम्मिलित है, के सिवाय तत्काल प्रभाव से प्रतिषिद्ध होगी; (ख) खनन प्रचालन, माननीय उच्चतम न्यायालय की रिट याचिका (सिविल) सं. 1995 का 202 टी.एन. गौडाबर्मन थिरुमूलपाद बनाम भारत संघ के मामले में आदेश तारीख 4 अगस्त, 2006 और रिट याचिका (सी) सं. 2012 का 435 गोवा फाउंडेशन बनाम भारत संघ के मामले में तारीख 21 अप्रैल, 2014 के आदेश के अनुसरण में प्रचालित होंगी।
2.	प्रदूषण (जल, वायु, मृदा, ध्वनि आदि) उत्पन करने वाले उद्योगों की स्थापना।	पारिस्थितिकी संवेदी जोन में कोई नया उद्योग लगाने और वर्तमान प्रदूषणकारी उद्योगों का विस्तार करने की अनुज्ञा नहीं होगी: परन्तु यह कि केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा फरवरी, 2016 में जारी मार्ग दर्शक सिद्धान्तों में उद्योगों के वर्गीकरण के अनुसार जब तक कि अधिसूचना में ऐसा विनिर्दिष्ट न हों, पारिस्थितिकी संवेदी जोन के भीतर गैर-प्रदूषणकारी उद्योगों को अनुज्ञात किया जाएगा और इसके अतिरिक्त गैर-प्रदूषणकारी कुटीर उद्यागों को बढ़ावा दिया जाएगा।
3.	बृहत जल विद्युत परियोजना की स्थापना।	लागू विधियों के अनुसार प्रतिषिद्ध (अन्यथा उपबंधित के सिवाय) होंगे।
4.	किसी परिसंकटमय पदार्थों का उपयोग या उत्पादन या प्रसंस्करण।	लागू विधियों के अनुसार प्रतिषिद्ध (अन्यथा उपबंधित के सिवाय) होंगे।
5.	प्राकृतिक जल निकायों या क्षेत्र भूमि में अनुपचारित बहिर्स्राव का निस्सारण।	लागू विधियों के अनुसार प्रतिषिद्ध (अन्यथा उपबंधित के सिवाय) होंगे।
6.	नई आरा मिलों की स्थापना।	पारिस्थितिकी संवेदी जोन के भीतर नई और विद्यमान आरा मिलों का विस्तार अनुज्ञात नहीं होगा।
7.	ईंट भट्ठों की स्थापना करना।	लागू विधियों के अनुसार प्रतिषिद्ध (अन्यथा उपबंधित के सिवाय) होंगे।
	ख. विनियमित क्रियाकलाप	
8.	वाणिज्यिक होटलों और रिसोर्टों की स्थापना।	पारिस्थितिकी पर्यटन क्रियाकलापों के लिए लघु अस्थायी संरचनाओं के सिवाय संरक्षित क्षेत्र की सीमा से एक किलोमीटर के भीतर या पारिस्थितिकी संवेदी जोन के विस्तार तक, इनमें जो भी निकट है, नए वाणिज्यिक होटल और रिसोर्टों को अनुज्ञात नहीं किया जाएगा: परंतु यह कि संरक्षित क्षेत्र की सीमा से एक किलोमीटर के परे या पारिस्थितिकी संवेदी जोन के विस्तार तक इनमें से जो भी निकट हो

		सभी नए पर्यटन क्रियाकलाप या विद्यमान क्रियाकलाप का विस्तार पर्यटन महायोजना और यथा लागू मार्गदर्शी सिद्धांतों के अनुरुप होगा।
9.	संनिर्माण क्रियाकलाप।	(क) संरक्षित क्षेत्र की सीमा से एक किलोमीटर के भीतर या पारिस्थितिकी संवेदी जोन के विस्तार तक, इनमें जो भी निकट हो, किसी भी प्रकार के नये वाणिज्यिक संनिर्माण की अनुज्ञा नहीं होगी: परंतु यह कि स्थानीय लोगों को अपनी आवास सम्बन्धी निम्नलिखित आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए, पैरा 3 के उप पैरा (1) में सूचीबद्ध क्रियाकलापों सहित अपने उपयोग के लिए, अपनी भूमि में भवन उप-विधियों के अनुसार, संनिर्माण करने की अनुज्ञा होगी, जैसे:- परंतु यह और कि गैर–प्रदूषणकारी लघु उद्योगों से संबंधित संनिर्माण क्रियाकलाप लागू नियमों और विनियमों, यदि कोई हों, के अनुसार सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति से विनियमित किए जाएंगे और वे न्यूनतम होंगे। (ख) एक किलोमीटर क्षेत्र से परे ये आंचलिक महायोजना के अनुसार विनियमित होंगे।
10.	प्रदूषण उत्पन्न न करने वाले लघु उद्योग।	फरवरी, 2016 में केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा जारी उद्योगों में वर्गीकरण के अनुसार गैर-प्रदूषणकारी उद्योग और अपरिसंकटमय में, लघु और सेवा उद्योग, कृषि, पुष्प कृषि, उद्यान कृषि या पारिस्थितिकी संवेदी जोन से देशी सामग्री से उत्पादों को उत्पन्न करने वाले कृषि आधारित उद्योग सक्षम प्राधिकारी द्वारा अनुज्ञात होंगे।
11.	वृक्षों की कटाई।	(क) राज्य सरकार में सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति के बिना वन, सरकारी या राजस्व या निजी भूमि पर या वनों में वृक्षों की कटाई नहीं होगी। (ख) वृक्षों की कटाई संबंधित केंद्रीय या राज्य अधिनियम या उसके अधीन बनाए गए नियमों के उपबंध के अनुसार विनियमित होगे।
12.	वन उत्पादों या गैर काष्ठ वन उत्पादों का संग्रहण।	लागू विधियों के अनुसार विनियमित होंगे।
13.	विद्युत और संचार टावरों का परिनिर्माण और केबलों के बिछाए जाने और अन्य बुनियादी ढांचे।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होंगे। (भूमिगत केबल के बिछाए जाने को बढ़ावा दिया जाएगा)।
14.	नागरिक सुख सुविधाओं सहित अवसंरचनाएं।	न्यूनीकरण उपायों को लागू विधियों, नियमों और विनियमनों और उपलब्ध मार्गदर्शक सिद्धांतों के अनुसार किया जाना।
15.	विद्यमान सड़कों को चौड़ा करना और उन्हें सुदृढ़ करना तथा नवीन सड़कों का संनिर्माण।	न्यूनीकरण उपायों को लागू विधियों, नियमों और विनियमनों तथा उपलब्ध मार्गदर्शक सिद्धांतों के अनुसार किया जाना।
16.	पर्यटन से संबंधित अन्य क्रियाकलाप जैसे गर्म वायु गुब्बारें, हेलीकाप्टर, ड्रोन, माइक्रोलाइटस आदि द्वारा	लागू विधियों के अनुसार विनियमित होंगे।

	पारिस्थितिकी संवेदी जोन क्षेत्र के ऊपर से उड़ना जैसे क्रियाकलाप करना।	
17.	पहाड़ी ढालों और नदी तटों का संरक्षण।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होंगे।
18.	रात्रि में यानिक यातायात का संचलन।	लागू विधियों के अधीन वाणिज्यिक प्रयोजन के लिए विनियमित होंगे।
19.	स्थानीय समुदायों द्वारा चल रही कृषि और बागवानी प्रथाओं के साथ दुगधशाला, दुग्ध उद्योग, कृषि और मछली पालन।	स्थानीय लोगों के उपयोग के लिए लागू विधियों के अधीन अनुज्ञात होंगे।
20.	फर्मों, कंपनियों द्वारा बड़े पैमाने पर वाणिज्यिक पशुओं और कुक्कुट पालन का स्थापन।	स्थानीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए लागू विधियों के अधीन विनियमित (अन्यथा प्रदान किए गए) होंगे।
21.	प्राकृतिक जल निकायों या सतही क्षेत्र में उपचारित बहिर्स्राव का निस्तारण।	जल निकायों में उपचारित अपशिष्ट जल या बहिर्स्राव के निस्सारण से बचा जाएगा और उपचारित अपशिष्ट जल के पुन:चक्रण और पुन:उपयोग के लिए प्रयास किए जाएंगे। अन्यथा लागू विधियों के अनुसार उपचारित बहिर्स्राव के पुनर्चक्रण या प्रवाह के निर्वहन को विनियमित किया जाएगा।
22.	सतह और भूजल का वाणिज्यिक निष्कर्षण।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होंगे।
23.	खुले कुंआ, बोर कुंआ, आदि कृषि और अन्य उपयोग के लिए।	लागू विधियों के अनुसार विनियमित होंगे और सम्बद्ध प्राधिकारी द्वारा क्रियाकलापों की सख्ती से मानीटरी की जाएगी।
24.	ठोस अपशिष्ट का प्रबन्धन।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होंगे।
25.	विदेशी प्रजातियों को लाना।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होंगे।
26.	पारिस्थितिकी-पर्यटन	लागू विधियों के अनुसार विनियमित होंगे।
27.	पोलिथीन थैलों का उपयोग।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होंगे।
28.	वाणिज्यिक सूचना पट्ट और होर्डिंग।	लागू विधियों के अधीन विनियमित होंगे।
	ग. संवर्धित क्रियाकलाप	
29.	वर्षा जल संचयन।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।
30.	जैविक खेती।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।
31.	सभी गतिविधियों के लिए हरित प्रौद्योगिकी को ग्रहण करना।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।
32.	कुटीर उद्योगों जिसके अंतर्गत ग्रामीण कारीगर भी हैं।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।
33.	नवीकरणीय ऊर्जा और ईंधन का उपयोग।	बायोगैस, सौर प्रकाश, इत्यादि को बढ़ावा दिया जाएगा।
34.	कृषि वानिकी।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।
35.	बागान लगाना और जड़ी बूटियों का रोपण।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।

36.	पारिस्थितिकी अनुकूल परिवहन का उपयोग।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।
37.	कौशल विकास।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।
38.	निम्नीकृत भूमि/ वन / वास की बहाली।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।
39.	पर्यावरणीय जागरुकता।	सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।

5. मानीटरी समिति- केंद्रीय सरकार इस अधिसूचना के उपबंधों की प्रभावी मानीटरी के लिए मानीटरी समिति का गठन करती है, जो निम्नलिखित से मिलकर बनेगी अर्थात्:-

क्र.सं.	**मानीटरी समिति का संघटक**	**पदनाम**
(i)	कलेक्टर, खोरधा	अध्यक्ष,पदेन;
(ii)	कलेक्टर, कटक या कलेक्टर के प्रतिनिधि	सदस्य;
(iii)	पुलिस उपायुक्त या पुलिस उपायुक्त, भुवनेश्वर के प्रतिनिधि	सदस्य;
(iv)	केंद्र सरकार द्वारा पर्यावरण के क्षेत्र में काम करने वाले गैर-सरकारी संगठनों के एक प्रतिनिधि को नामित किया जाना है	सदस्य;
(v)	भुवनेश्वर विकास प्राधिकरण के सचिव	सदस्य;
(vi)	राज्य सरकार द्वारा नामित जैव विविधता में एक विशेषज्ञ	सदस्य;
(vii)	राज्य के प्रतिष्ठित संस्थान या विश्वविद्यालय से पारिस्थितिकी में एक विशेषज्ञ	सदस्य;
(viii)	आयुक्त, भुवनेश्वर नगर निगम के प्रतिनिधि	सदस्य;
(ix)	ओडिशा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सदस्य सचिव के प्रतिनिधि	सदस्य;
(x)	उप निदेशक, नंदनकानन जूलॉजिकल पार्क और वन्यजीव वार्डन, नंदनकानन अभयारण्य	सदस्य सचिव।

6. निर्देश–निबंधन:- (1) मानीटरी समिति इस अधिसूचना के उपबंधों के अनुपालन को मानीटरी करेगी।

(2) मानीटरी समिति का कार्यकाल तीन वर्ष तक या राज्य सरकार द्वारा नई समिति के पुन: गठन तक के लिए होगा और तत्पश्चात मानीटरी समिति राज्य सरकार द्वारा गठित की जाएगी।

(3) उन क्रियाकलापों की, जो भारत सरकार के तत्कालीन पर्यावरण और वन मंत्रालय की अधिसूचना संख्यांक का.आ. 1533 (अ), तारीख 14 सितम्बर, 2006 की अनुसूची में सम्मिलित हैं, और जो पारिस्थितिकी संवेदी जोन में आते हैं, सिवाय इसके जो पैरा 4 के अधीन सारणी में यथा विनिर्दिष्ट प्रतिषिद्ध क्रियाकलापों के, मानीटरी समिति द्वारा वास्तविक विनिर्दिष्ट स्थलीय दशाओं के आधार पर संवीक्षा की जाएगी और उक्त अधिसूचना के उपबंधों के अधीन पूर्व पर्यावरण अनापत्ति के लिए केंद्रींय सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को निर्दिष्ट किया जाएगा।

(4) उन क्रियाकलापों की, जो भारत सरकार के तत्कालीन पर्यावरण और वन मंत्रालय की अधिसूचना संख्यांक का. आ. 1533 (अ) तारीख 14 सितंबर, 2006 की अनुसूची में सम्मिलित नहीं है, और जो पारिस्थितिकी संवेदी जोन में आते है, सिवाय इसके पैरा 4 के अधीन सारणी में यथाविनिर्दिष्ट प्रतिषिद्ध क्रियाकलापों के, मानीटरी समिति द्वारा वास्तविक विनिर्दिष्ट स्थलीय दशाओं के आधार पर संवीक्षा की जाएगी और उसे संबद्ध विनियामक प्राधिकरणों को निर्दिष्ट किया जाएगा।

(5) मानीटरी समिति का सदस्य-सचिव या संबद्ध उपायुक्त ऐसे व्यक्ति के विरूद्ध, जो इस अधिसूचना के किसी उपबंध का उल्लंघन करता है, पर्यावरण अधिनियम, की धारा 19 के अधीन परिवाद फाइल करने के लिए सक्षम होगा।

(6) मानीटरी समिति मुद्दा दर मुद्दा के आधार पर अपेक्षाओं पर निर्भर रहते हुए संबद्ध विभागों के प्रतिनिधियों या विशेषज्ञों, औद्योगिक संगमों या संबद्ध पणधारियों के प्रतिनिधियों को अपने विचार-विमर्श में सहायता के लिए आमंत्रित कर सकेगी ।

(7) मानीटरी समिति प्रत्येक वर्ष की 31 मार्च तक के अपने क्रियाकलापों की वार्षिक कार्रवाई रिपोर्ट राज्य के मुख्य वन्यजीव वार्डन को **उपाबंध V** में संलग्न प्रोफार्मा के अनुसार उक्त वर्ष के 30 जून तक प्रस्तुत करेगी ।

(8) केन्द्रीय सरकार का पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय मानीटरी समिति को अपने कृत्यों के प्रभावी निर्वहन के लिए ऐसे निर्देश दे सकेगा, जो वह ठीक समझे ।

7. अतिरिक्त उपाय.- इस अधिसूचना के उपबंधों को प्रभाव देने के लिए केंद्रीय सरकार और राज्य सरकार अतिरिक्त उपाय, यदि कोई हों, विनिर्दिष्ट कर सकेंगी।

8. सुप्रीम कोर्ट, आदि के आदेश.- इस अधिसूचना के उपबंध, भारत के माननीय उच्चतम न्यायालय या उच्च न्यायालय या राष्ट्रीय हरित अधिकरण द्वारा पारित कोई आदेश या पारित होने वाले कोई आदेश, यदि कोई हों, के अध्यधीन होंगे ।

[फा. सं. 25/49/2017-ईएसजेड]

डॉ. सतीश चन्द्र गढ़कोटी, वैज्ञानिक 'जी'

उपाबंध-I

उड़ीसा राज्य में नंदनकानन वन्यजीव अभयारण्य के चारों ओर पारिस्थितिकी संवेदी जोन सीमा का विवरण

नंदनकानन अभयारण्य के संबंध में पारिस्थितिकी संवेदी जोन संरक्षित क्षेत्र की सीमा से एक सौ मीटर तक का क्षेत्र है, सीमा स्तंभ 1 से 11 तक 150 मीटर की औसत दूरी के साथ, स्तंभ संख्या 11 से 25 तक स्तंभ संख्या 25 से 32 तक 125 मीटर की औसत दूरी के साथ यह अभयारण्य सीमा के साथ पी.डब्ल्यू.डी. सड़क के साथ मिलती है, स्तंभ संख्या 32 से 51 तक 270 मीटर औसत दूरी के साथ पूर्ण अन्य संक्रांत प्लॉट सं.5 (ग्राम जंगल) आच्छादित है, स्तंभ सं.87 से 112 तक 340 मीटर की औसत दूरी के साथ दलदल क्षेत्र को आच्छादित करता हैं। चंदाका-दम्पारा अभयारण्य (चुरंग आर. एफ) की सीमा अभयारण्य की उत्तरी सीमा में स्थित है जो कि स्तंभ सं. 131 से 137 के निकटवर्ती है, पारिस्थितिकी संवेदी जोन सीमांकित नहीं की गई है पी.डब्ल्यू.डी सड़क के साथ चंदाका-दम्पारा अभयारण्य के साथ अभयारण्य सीमा स्तंभ सं.131 से 137 के साथ-साथ जाती है।

उपाबंध-IIक

मुख्य अवस्थानों के अक्षांश और देशांतर के साथ पारिस्थितिकी संवेदी जोन और नंदनकानन वन्यजीव अभयारण्य का अवस्थान मानचित्र

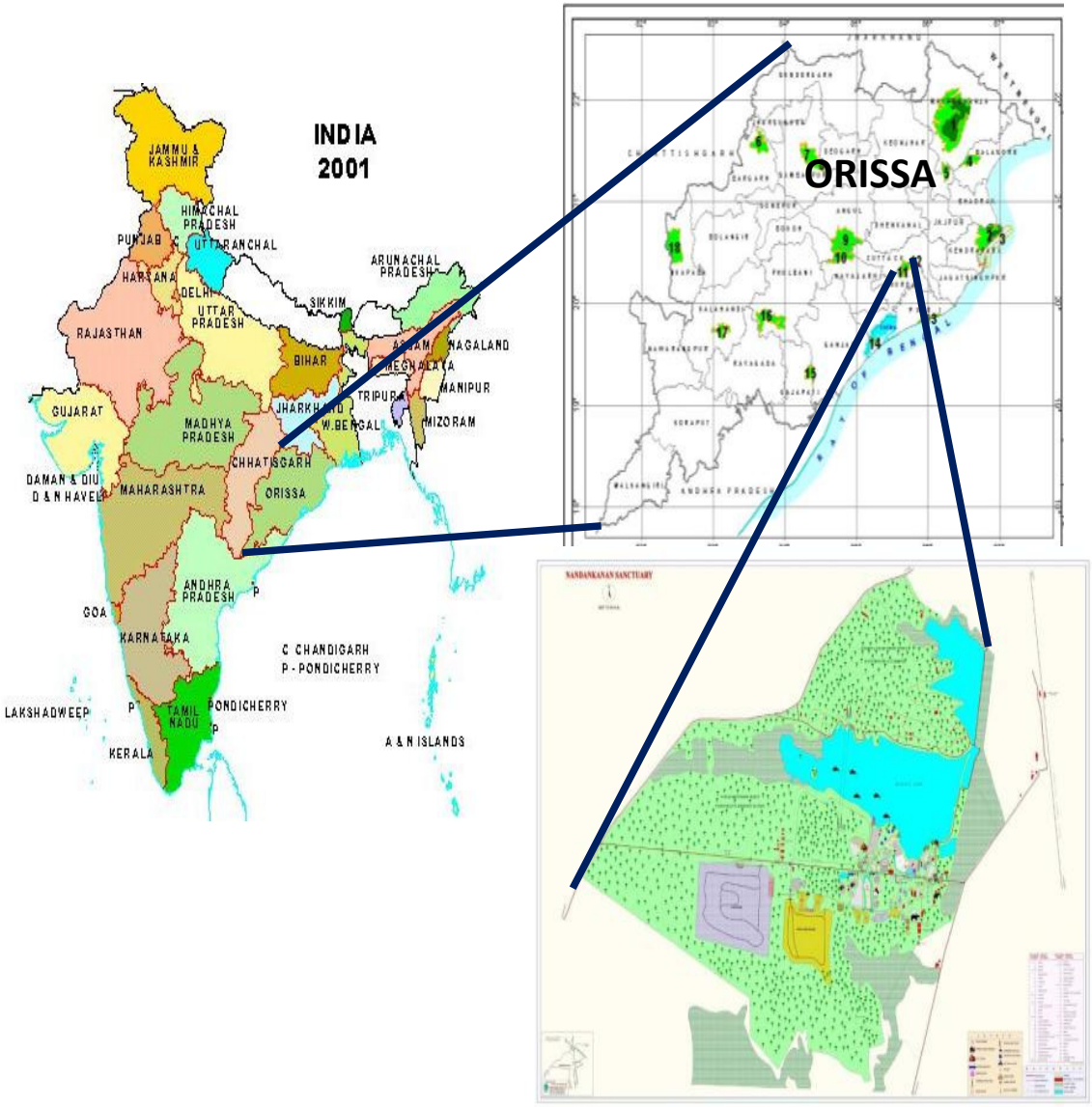

उपाबंध–II ख

मुख्य अवस्थानों के अक्षांश और देशांतर के साथ नंदनकानन वन्यजीव अभयारण्य के पारिस्थितिकी संवेदी जोन का मानचित्र

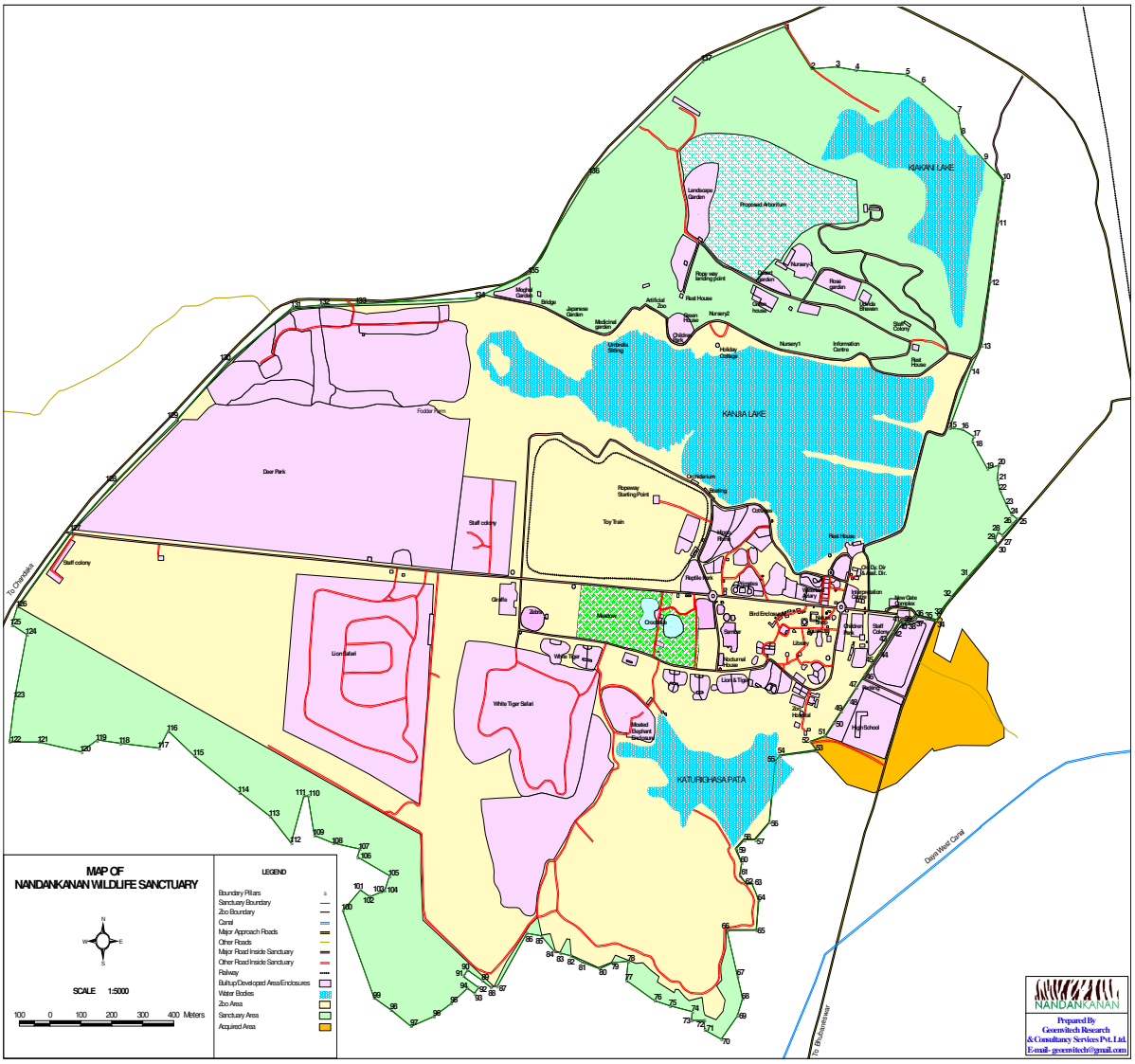

उपाबंध–II ग

भारतीय सर्वेक्षण (एस ओ आई) टोपोशीट पर मुख्य अवस्थानों के अक्षांश और देशांतर के साथ नंदकानन वन्यजीव अभयारण्य के पारिस्थितिकी संवेदी जोन के भूमि उपयोग पैटर्न को दर्शाने वाला मानचित्र

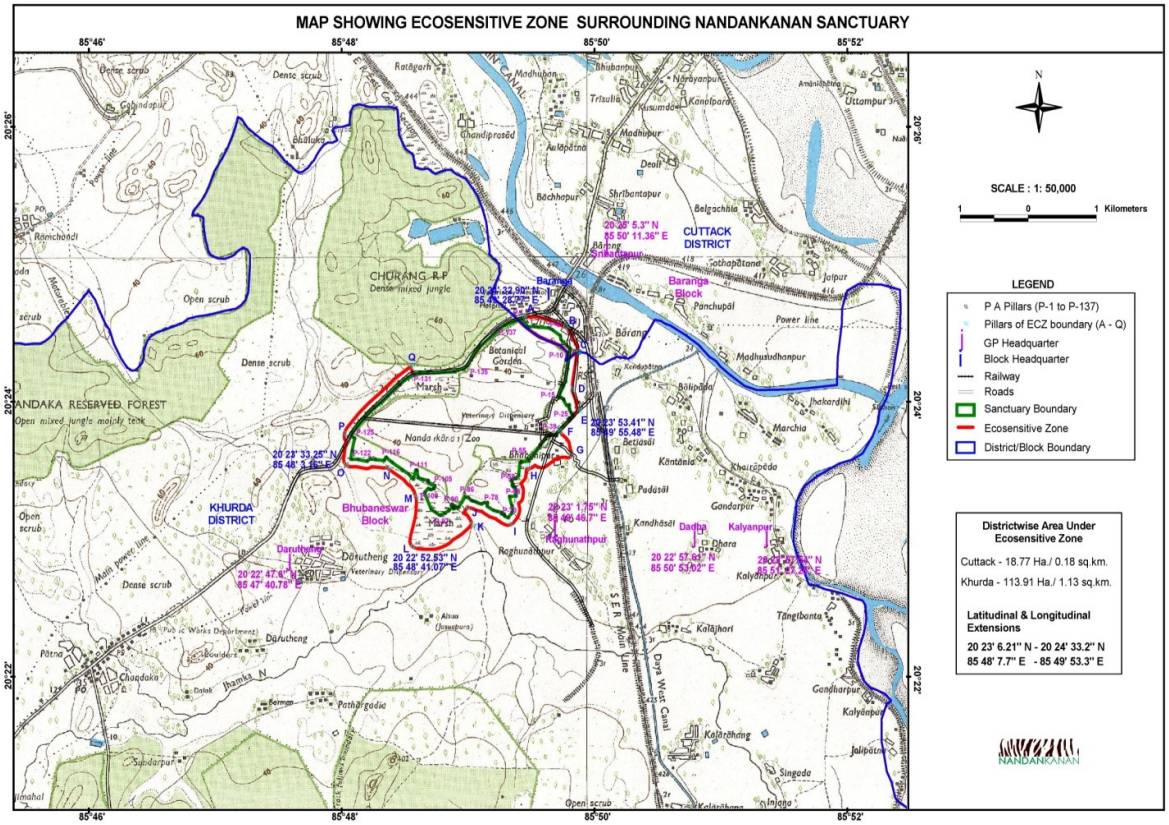

उपाबंध-III

सारणी क: नंदनकानन वन्यजीव अभयारण्य के प्रमुख अवस्थानों के भू-निर्देशांक

सीमा स्तंभ	भू-मंडलीय स्थित प्रणाली (जी.पी.एस) अवस्थान					
	उत्तर(अक्षांश)			पूर्व (देशांतर)		
	डिग्री	मिनट	सेकेंड	डिग्री	मिनट	सेकेंड
1	20	24	35.300	85	49	20.700
2	20	24	31.733	85	49	23.543
3	20	24	31.917	85	49	26.136
4	20	24	31.647	85	49	28.141
5	20	24	31.300	85	49	33.447

6	20	24	30.568	85	49	35.092
7	20	24	28.075	85	49	38.895
8	20	24	26.251	85	49	39.281
9	20	24	24.002	85	49	41.697
10	20	24	22.318	85	49	43.674
11	20	24	18.635	85	49	43.107
12	20	24	13.463	85	49	42.218
13	20	24	07.874	85	49	41.286
14	20	24	05.904	85	49	40.183
15	20	24	00.700	85	49	37.935
16	20	24	00.582	85	49	39.166
17	20	23	59.950	85	49	40.387
18	20	23	59.533	85	49	40.269
19	20	23	57.091	85	49	41.854
20	20	23	57.445	85	49	43.06
21	20	23	56.267	85	49	42.892
22	20	23	55.207	85	49	43.139
23	20	23	54.050	85	49	43.835
24	20	23	53.269	85	49	44.284
25	20	23	52.830	85	49	44.927
26	20	23	52.369	85	49	44.34
27	20	23	51.395	85	49	43.374
28	20	23	51.684	85	49	42.957
29	20	23	50.977	85	49	42.582
30	20	23	50.699	85	49	42.818
31	20	23	47.936	85	49	39.755
32	20	23	46.041	85	49	37.967
33	2	23	44.671	85	49	36.650
34	20	23	44.221	85	49	36.404

35	20	23	44.414	85	49	35.386
36	20	23	44.606	85	49	34.476
37	20	23	44.317	85	49	34.241
38	20	23	44.189	85	49	33.877
39	20	23	44.082	85	49	33.438
40	20	23	44.060	85	49	33.031
41	20	23	44.059	85	49	32.510
42	20	23	43.228	85	49	31.979
43	20	23	42.539	85	49	31.375
44	20	23	41.528	85	49	30.565
45	20	23	40.522	85	49	29.730
46	20	23	39.596	85	49	28.955
47	20	23	38.554	85	49	28.048
48	20	23	37.552	85	49	27.251
49	20	23	36.524	85	49	26.468
50	20	23	35.509	85	49	25.658
51	20	23	34.416	85	49	24.751
52	20	23	34.004	85	49	23.236
53	20	23	33.134	85	49	23.860
54	20	23	32.807	85	49	20.109
55	20	23	32.383	85	49	19.633
56	20	23	27.058	85	49	19.059
57	20	23	25.606	85	49	17.581
58	20	23	25.580	85	49	16.476
59	20	23	24.861	85	49	15.603
60	20	23	23.602	85	49	16.142
61	20	23	22.574	85	49	16.039
62	20	23	21.803	85	49	16.669
63	20	23	21.867	85	49	17.273

64	20	23	20.402	85	49	17.992
65	20	23	17.832	85	49	17.800
66	20	23	17.807	85	49	14.754
67	20	23	13.939	85	49	15.885
68	20	23	11.896	85	49	16.412
69	20	23	10.431	85	49	15.885
70	20	23	08.388	85	49	14.266
71	20	23	09.224	85	49	12.532
72	20	23	10.046	85	49	12.429
73	20	23	10.046	85	49	11.118
74	20	23	10.778	85	49	11.195
75	20	23	11.292	85	49	08.89
76	20	23	11.781	85	49	07.302
77	20	23	13.502	85	49	04.282
78	20	23	15.134	85	49	04.475
79	20	23	14.993	85	49	02.856
80	20	23	14.517	85	49	01.533
81	20	23	15.070	85	48	59.657
82	20	23	15.622	85	48	58.513
83	20	23	15.867	85	48	57.395
84	20	23	16.008	85	48	56.856
85	20	23	17.306	85	48	55.417
86	20	23	17.537	85	48	53.926
87	20	23	12.988	85	48	50.919
88	20	23	12.911	85	48	50.238
89	20	23	13.489	85	48	49.365
90	20	23	14.415	85	48	47.771
91	20	23	13.862	85	48	47.424
92	20	23	12.886	85	48	48.954

93	20	23	12.333	85	48	48.555
94	20	23	12.847	85	48	47.810
95	20	23	11.511	85	48	46.140
96	20	23	10.393	85	48	44.328
97	20	23	09.545	85	48	42.002
98	20	23	10.920	85	48	39.831
99	20	23	11.986	85	48	38.083
100	20	23	19.567	85	48	34.832
101	20	23	21.340	85	48	36.618
102	20	23	20.749	85	48	37.544
103	20	23	21.160	85	48	38.738
104	20	23	21.225	85	48	39.098
105	20	23	22.497	85	48	39.625
106	20	23	24.128	85	48	36.297
107	20	23	24.822	85	48	36.516
108	20	23	25.375	85	48	33.766
109	20	23	26.056	85	48	31.826
110	20	23	29.409	85	48	31.145
111	20	23	29.422	85	48	30.669
112	20	23	25.401	85	48	29.449
113	20	23	27.713	85	48	27.174
114	20	23	29.744	85	48	24.013
115	20	23	32.866	85	48	19.285
116	20	23	34.986	85	48	16.561
117	20	23	33.560	85	48	15.623
118	20	23	33.881	85	48	11.537
119	20	23	34.125	85	48	09.160
120	20	23	33.200	85	48	07.554
121	20	23	33.958	85	48	03.108

122	20	23	33.984	85	48	00.050
123	20	23	37.761	85	48	00.538
124	20	23	43.132	85	48	01.746
125	20	23	43.980	85	48	00.140
126	20	23	45.574	85	48	00.708
127	20	23	52.053	85	48	06.365
128	20	23	56.191	85	48	10.944
129	20	24	01.566	85	48	17.521
130	20	24	06.530	85	48	23.000
131	20	24	11.190	85	48	29.763
132	20	24	11.426	85	48	32.771
133	20	24	11.533	85	48	36.605
134	20	24	12.117	85	48	49.063
135	20	24	14.247	85	48	54.346
136	20	24	22.761	85	49	00.468
137	20	24	32.623	85	49	12.132

सारणी ख: पारिस्थितिकी संवेदी जोन के प्रमुख अवस्थानों के भू-निर्देशांक

महत्त्वपूर्ण अवस्थानों के पारिस्थितिकी संवेदी जोन सीमा स्तंभ निर्देशांक		
स्तंभ	**देशांतर (पू)**	**अक्षांश (उ)**
ए	85.82496	20.40941
बी	85.83039	20.40817
सी	85.8321	20.40513
डी	85.83134	20.40065
ई	85.83229	20.39799
एफ	85.82972	20.39551
जी	85.83115	20.39256
एच	85.82544	20.39113
आई	85.82316	20.38428

जे	85.81754	20.38619
के	85.81811	20.38428
एल	85.81031	20.38152
एम	85.81078	20.38761
एन	85.80697	20.39113
ओ	85.80145	20.39152
पी	85.80126	20.39523
क्यू	85.81012	20.40341

उपाबंध -IV

भू-निर्देशांकों के साथ नंदनकानन वन्यजीव अभयारण्य के पारिस्थितिकी संवेदी जोन के अंतर्गत आने वाले ग्रामों की सूची

जिला	ग्राम	क्षेत्र (हेक्टेयर)	देशांतर	अक्षांश	स्तंभ आई.डी
कटक	दधापटना	18.77	85°49'20.700"	20°24'35.300"	1
			85°49'26.869"	20°24'36.529"	2
			85°49'37.628"	20°24'32.828"	3
			85°49'41.534"	20°24'30.910"	4
			85°49'46.469"	20°24'22.686"	5
			85°49'46.301"	20°24'20.840"	6
			85°49'44.508"	20°24'19.927"	7
			85°49'43.251"	20°24'18.950"	8
			85°49'43.841"	20°24'22.373"	9
			85°49'41.696"	20°24'24.002"	10
			85°49'39.281"	20°24'26.251"	11
			85°49'38.896"	20°24'28.075"	12
			85°49'35.092"	20°24'30.568"	13
			85°49'33.447"	20°24'31.301"	14
			85°49'28.141"	20°24'31.647"	15
			85°49'26.136"	20°24'31.917"	16
			85°49'23.700"	20°24'31.800"	17
खोरधा	दधा	7.678	85°49'46.301"	20°24'20.840"	6
			85°49'44.508"	20°24'19.927"	7
			85°49'43.251"	20°24'18.950"	8
			85°49'45.852"	20°24'15.902"	18

			85°49'44.139"	20°24'06.582"	19
			85°49'44.070"	20°24'02.744"	20
			85°49'45.852"	20°23'58.359"	21
			85°49'46.126"	20°23'55.686"	22
			85°49'46.743"	20°23'54.384"	23
			85°49'45.768"	20°23'53.754"	24
			85°49'44.535"	20°23'54.902"	25
			85°49'43.884"	20°23'56.067"	26
			85°49'43.558"	20°23'56.992"	27
			85°49'43.764"	20°23'58.208"	28
			85°49'42.428"	20°23'57.848"	29
			85°49'40.851"	20°24'00.178"	30
			85°49'40.868"	20°24'00.572"	31
			85°49'39.669"	20°24'01.155"	32
			85°49'38.444"	20°24'01.258"	33
			85°49'40.586"	20°24'06.397"	34
			85°49'41.656"	20°24'08.196"	35
			85°49'42.428"	20°24'13.636"	36
खोरधा	जुझागड़ा	60.828	85°48'53.575"	20°23'11.456"	65
			85°48'52.268"	20°23'13.302"	66
			85°48'52.241"	20°23'14.537"	67
			85°48'52.435"	20°23'15.544"	68
			85°48'54.409"	20°23'09.961"	129
			85°48'54.897"	20°23'09.549"	130
			85°48'56.542"	20°23'07.185"	131
			85°48'56.509"	20°23'06.153"	132
			85°48'56.490"	20°23'05.540"	133
			85°48'55.257"	20°23'03.587"	134
			85°48'51.556"	20°23'00.966"	135
			85°48'47.907"	20°22'58.910"	136
			85°48'45.440"	20°22'57.009"	137
			85°48'42.613"	20°22'55.723"	138
			85°48'40.146"	20°22'55.055"	139
			85°48'35.006"	20°22'55.107"	140
			85°48'30.432"	20°22'55.980"	141
			85°48'28.633"	20°22'56.854"	142
			85°48'27.811"	20°22'58.499"	143
			85°48'28.530"	20°23'02.714"	144
			85°48'30.638"	20°23'10.423"	145

			85°48'30.895"	20°23'13.918"	146
			85°48'30.792"	20°23'17.002"	147
			85°48'30.278"	20°23'20.034"	148
			85°48'28.685"	20°23'22.347"	149
			85°48'26.834"	20°23'23.837"	150
			85°48'24.110"	20°23'26.510"	151
			85°48'16.966"	20°23'31.290"	152
			85°48'10.233"	20°23'31.753"	153
			85°48'07.972"	20°23'30.981"	154
			85°47'58.875"	20°23'32.266"	155
			85°47'57.384"	20°23'33.603"	156
			85°47'56.973"	20°23'35.556"	157
			85°47'57.539"	20°23'40.387"	158
			85°47'58.207"	20°23'43.059"	159
			85°47'58.016"	20°23'43.351"	160
			85°48'28.464"	20°24'10.295"	171
			85°48'23.000"	20°24'06.530"	172
			85°48'17.521"	20°24'01.566"	173
			85°48'10.944"	20°23'56.190"	174
			85°48'06.365"	20°23'52.053"	175
			85°48'00.708"	20°23'45.574"	176
			85°48'00.140"	20°23'43.980"	177
			85°48'01.746"	20°23'43.132"	178
			85°48'00.538"	20°23'37.761"	179
			85°48'00.050"	20°23'33.984"	180
			85°48'03.108"	20°23'33.958"	181
			85°48'07.328"	20°23'33.229"	182
			85°48'09.179"	20°23'34.283"	183
			85°48'15.629"	20°23'33.615"	184
			85°48'16.400"	20°23'35.131"	185
			85°48'19.227"	20°23'32.972"	186
			85°48'23.904"	20°23'29.863"	187
			85°48'27.013"	20°23'27.833"	188
			85°48'29.274"	20°23'25.391"	189
			85°48'30.559"	20°23'29.477"	190
			85°48'31.022"	20°23'29.529"	191
			85°48'31.665"	20°23'26.137"	192
			85°48'33.695"	20°23'25.366"	193
			85°48'36.444"	20°23'24.980"	194

			85°48'36.264"	20°23'24.184"	195
			85°48'39.502"	20°23'22.693"	196
			85°48'38.988"	20°23'21.331"	197
			85°48'37.344"	20°23'20.843"	198
			85°48'36.444"	20°23'21.434"	199
			85°48'34.645"	20°23'19.584"	200
			85°48'37.781"	20°23'12.054"	201
			85°48'39.631"	20°23'10.949"	202
			85°48'41.687"	20°23'09.613"	203
			85°48'44.025"	20°23'10.384"	204
			85°48'45.927"	20°23'11.514"	205
			85°48'47.546"	20°23'12.928"	206
			85°48'48.265"	20°23'12.388"	207
			85°48'48.728"	20°23'12.928"	208
			85°48'47.186"	20°23'13.879"	209
			85°48'47.649"	20°23'14.521"	210
			85°48'49.113"	20°23'13.467"	211
			85°48'50.090"	20°23'12.902"	212
			85°48'50.809"	20°23'12.953"	213
			85°49'28.084"	20°23'38.549"	111
			85°49'29.374"	20°23'38.755"	112
			85°49'30.693"	20°23'39.380"	113
			85°49'32.011"	20°23'40.417"	114
			85°49'33.110"	20°23'41.653"	115
			85°49'33.082"	20°23'42.896"	116
			85°49'32.839"	20°23'44.355"	117
			85°49'32.127"	20°23'43.576"	124
			85°49'31.506"	20°23'42.848"	125
			85°49'30.702"	20°23'41.830"	126
			85°49'29.910"	20°23'40.771"	127
			85°49'29.075"	20°23'39.839"	128
खोरधा	रघुनाथपुर	35.470	85°49'38.252"	20°23'46.324"	37
			85°49'39.458"	20°23'43.368"	38
			85°49'42.670"	20°23'40.927"	39
			85°49'44.083"	20°23'34.887"	40
			85°49'42.284"	20°23'33.731"	41
			85°49'37.916"	20°23'34.117"	42
			85°49'34.960"	20°23'32.575"	43
			85°49'30.206"	20°23'29.620"	44

			85°49'27.893"	20°23'29.877"	45
			85°49'26.608"	20°23'30.776"	46
			85°49'24.552"	20°23'29.491"	47
			85°49'22.368"	20°23'29.363"	48
			85°49'21.854"	20°23'25.122"	49
			85°49'19.798"	20°23'22.938"	50
			85°49'21.212"	20°23'20.625"	51
			85°49'20.698"	20°23'16.770"	52
			85°49'20.235"	20°23'15.665"	53
			85°49'18.848"	20°23'14.226"	54
			85°49'19.516"	20°23'11.040"	55
			85°49'18.436"	20°23'08.264"	56
			85°49'16.380"	20°23'05.746"	57
			85°49'14.376"	20°23'04.718"	58
			85°49'13.245"	20°23'04.770"	59
			85°49'08.774"	20°23'07.288"	60
			85°49'04.332"	20°23'09.453"	61
			85°49'01.064"	20°23'11.400"	62
			85°48'58.598"	20°23'12.016"	63
			85°48'54.691"	20°23'13.250"	64
			85°48'53.575"	20°23'11.456"	65
			85°48'52.268"	20°23'13.302"	66
			85°48'52.241"	20°23'14.537"	67
			85°48'52.435"	20°23'15.544"	68
			85°48'53.842"	20°23'17.785"	69
			85°48'55.204"	20°23'17.425"	70
			85°48'56.720"	20°23'16.089"	71
			85°48'57.337"	20°23'16.063"	72
			85°48'57.979"	20°23'17.142"	73
			85°48'58.211"	20°23'17.117"	74
			85°48'58.391"	20°23'15.729"	75
			85°48'59.495"	20°23'15.138"	76
			85°49'01.397"	20°23'14.624"	77
			85°49'02.656"	20°23'15.138"	78
			85°49'04.327"	20°23'15.215"	79
			85°49'04.095"	20°23'13.570"	80
			85°49'07.102"	20°23'11.823"	81
			85°49'08.516"	20°23'11.360"	82
			85°49'11.060"	20°23'10.872"	83

			85°49'10.931"	20°23'10.101"	84
			85°49'12.242"	20°23'10.127"	85
			85°49'12.345"	20°23'09.227"	86
			85°49'14.066"	20°23'08.379"	87
			85°49'15.685"	20°23'10.487"	88
			85°49'16.217"	20°23'11.964"	89
			85°49'15.729"	20°23'14.007"	90
			85°49'15.125"	20°23'15.948"	91
			85°49'14.663"	20°23'17.939"	92
			85°49'17.721"	20°23'18.029"	93
			85°49'17.913"	20°23'20.586"	94
			85°49'17.220"	20°23'22.051"	95
			85°49'16.603"	20°23'21.935"	96
			85°49'15.973"	20°23'22.719"	97
			85°49'16.166"	20°23'23.747"	98
			85°49'15.678"	20°23'25.057"	99
			85°49'16.474"	20°23'25.751"	100
			85°49'17.656"	20°23'25.833"	101
			85°49'19.121"	20°23'27.272"	102
			85°49'19.558"	20°23'32.310"	103
			85°49'20.213"	20°23'33.042"	104
			85°49'24.068"	20°23'33.389"	105
			85°49'23.259"	20°23'34.198"	106
			85°49'24.878"	20°23'34.648"	107
			85°49'25.867"	20°23'35.817"	108
			85°49'26.651"	20°23'36.807"	109
			85°49'27.512"	20°23'37.860"	110
			85°49'28.084"	20°23'38.549"	111
			85°49'29.374"	20°23'38.755"	112
			85°49'30.693"	20°23'39.380"	113
			85°49'32.011"	20°23'40.417"	114
			85°49'33.110"	20°23'41.653"	115
			85°49'33.082"	20°23'42.896"	116
			85°49'32.839"	20°23'44.355"	117
			85°49'34.054"	20°23'44.443"	118
			85°49'34.322"	20°23'44.561"	119
			85°49'34.771"	20°23'44.904"	120
			85°49'35.617"	20°23'44.754"	121
			85°49'36.710"	20°23'44.491"	122

			85°49'36.967"	20°23'44.954"	123
			85°49'32.127"	20°23'43.576"	124
			85°48'54.409"	20°23'09.961"	129
			85°48'54.897"	20°23'09.549"	130
			85°48'56.542"	20°23'07.185"	131
			85°48'56.509"	20°23'06.153"	132
			85°48'56.490"	20°23'05.540"	133
खोरधा	कृष्णा नगर	9.934	85°47'58.207"	20°23'43.059"	159
			85°47'58.016"	20°23'43.351"	160
			85°47'59.644"	20°23'46.027"	161
			85°48'03.132"	20°23'50.785"	162
			85°48'08.158"	20°23'55.544"	163
			85°48'11.207"	20°23'58.647"	164
			85°48'16.892"	20°24'04.024"	165
			85°48'21.699"	20°24'07.745"	166
			85°48'25.846"	20°24'10.025"	167
			85°48'29.389"	20°24'11.241"	168
			85°48'29.741"	20°24'11.259"	169
			85°48'29.763"	20°24'11.190"	170
			85°47'57.333"	20°23'44.396"	214
			85°47'57.179"	20°23'45.989"	215
			85°47'57.744"	20°23'47.891"	216
			85°48'02.113"	20°23'53.442"	217
			85°48'05.556"	20°23'56.885"	218
			85°48'10.131"	20°24'01.100"	219
			85°48'16.041"	20°24'05.674"	220
			85°48'21.284"	20°24'10.608"	221
			85°48'27.091"	20°24'14.617"	222
			85°48'28.479"	20°24'15.234"	223

उपाबंध-V

की गई कार्रवाई की रिपोर्ट का प्रपत्र:

1. बैठकों की संख्या और तारीख।
2. बैठकों का कार्यवृत: (कृपया मुख्य उल्लेखनीय बिंदुओं का उल्लेख करें। बैठक के कार्यवृत्त को एक पृथक उपाबंध में उपाबद्ध करें)।
3. आंचलिक महायोजना की तैयारी की प्रास्थिति जिसके अंतर्गत पर्यटन महायोजना भी है।
4. भू-अभिलेख में सदृश्य त्रुटियों के सुधार के लिए ब्यौहार किए गए मामलों का सार (पारिस्थितिकी संवेदी जोन वार)। ब्यौरे उपाबंध के रूप में संलग्न किए जाएं।

5. पर्यावरण समाघात निर्धारण अधिसूचना, 2006 के अधीन आने वाले क्रियाकलापों की संवीक्षा के मामलों का सार। (ब्यौरे एक पृथक् उपाबंध के रूप में संलग्न किए जाएं)।

6. पर्यावरण समाघात निर्धारण अधिसूचना, 2006 के अधीन न आने वाले क्रियाकलापों की संवीक्षा के मामलों का सार। (ब्यौरे एक पृथक् उपाबंध के रूप में संलग्न किए जाएं)।

7. पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 की धारा 19 के अधीन दर्ज की गई शिकायतों का सार ।

8. कोई अन्य महत्वपूर्ण मामला ।

MINISTRY OF ENVIRONMENT, FOREST AND CLIMATE CHANGE

NOTIFICATION

New Delhi, the 10th December, 2019

S.O. 4444(E).—WHEREAS, a draft notification was published in the Gazette of India, Extraordinary, *vide* notification of the Government of India in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change number S.O. 3263 (E), dated the 5th July, 2018, inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby within the period of sixty days from the date on which copies of the Gazette containing the said notification were made available to the public;

AND WHEREAS, copies of the Gazette containing the said draft notification were made available to the public on the 5th July, 2018;

AND WHEREAS, objections and suggestions received from persons and stakeholders in response to the aforesaid draft notification were duly considered by the Central Government;

AND WHEREAS, Nandankanan Wildlife Sanctuary is one of the 19 (nineteen) Wildlife Sanctuaries of Odisha, Nandankanan Zoological Park together with Kanjia Lake and State Botanical Garden has been notified as Nandankanan Wildlife Sanctuary on the 3rd August, 1979 by the Government of Odisha under Wildlife (Protection) Act, 1972 covering an area of 4.37 square kilometers and it includes Jujhagarh and Krishnanagar protected forest and a natural freshwater lake Kanjia, a wetland of national importance, and Nandankanan is situated adjoining to Chandaka-Dumpara Wildlife Sanctuary;

AND WHEREAS, Nandankanan Wildlife Sanctuary provides an excellent habitat for various wild plants and wild animals and the Sanctuary enjoys a special place in the State of Odisha for integration of *ex-situ* and *in-situ* conservation of wild flora and fauna. It has a rich floral diversity and about 704 species of wild plants belonging to 142 families have been documented in the protected area of Nandankanan and the important flora recorded from the sanctuary are oau (*Dillenia rnmdica),* champaka (*Micheilia champaca),* uhanti (*Alphonsea madraspaiana),* barhial (*Annona retteuiata),* neua (*Annum: squarnosa),* chini champa (*Artabortrys hocapeialus),* potamossu champati (*Polyalthia cerasoides),* debadaru (*Polyalihia longifblia),* guakoli (*Poiyaithia suherosa),* musakani, akanbindi (*Cissampelos pareira),* dandahiya, dadaya (*Cocculus hirsulus),* kalajati nai (*Tilietcora acuminate),* padma (*Nell-mho nucifera),* agara (*Argemone Mexicana),* niphura (*Capparis brevispina),* asadhua (*Cpparis zeylanica),* banasorisa (*Menne viscose),* baruna (*Crateva magna),* madan mastak (*Hybanthus enneaspermus),* sundri (*Hixa orellana),* khakada (*Casearia eiliplica),* miragu (*Folygala arvensis),* sureta (*Polycarpon prostraturn),* badabalbalua (*Portulaca oleracea),* balbaluka (*Portulaca quadrifida),* Poonang (*CalophyThun inophydrhun), Churiana (Mammea suriga),* nugesur (*Mesua ferrea),* bana Bhendi (*Abeirnoschus manihot),* bani, baniya (*Hibiscus tiliaceus),* bajarmtili (*Sida acuta),* etc, and it has been an outstanding place for creating awareness amongst visitors for wildlife conservation and is an important site for wildlife research and management;

AND WHEREAS, 153 species of mammals, birds and reptiles and 38 species of fishes are being housed in Nandankanan Zoological Park, apart from above, Nandankanan Wildlife Sanctuary is the habitat of many species of free living wild animals, so far, 13 species of mammals, 71 species of birds, 15 species of reptiles, 10 species of amphibians, 85 species of butterflies, 54 species of odonates and 51 species of spiders have been documented inside Nandankanan Wildlife Sanctuary; the major fauna found in the Sanctuary are common mongoose (*Herpestes edwardsi),* common langur (*Presbytis entellus),* Rhesus macaque (*Macaca mulatta),* three striped palm squirrel (*Funambulus palrnarium),* tat (*Rattus rattus),* horse shoe bat (*Rhinolophus lepidus),* Indian fox (*Vulpes bengalensis),* pangolin (*Mauls crassicaudata),* grey patridge (*Francolinus pondicerianus),* larger golden backed woodpecker (*Chrysocolaptes lucidus),* Indian roller or blue jay (*Coracias benghalensis),* Russels viper (*Daboia russelli),* cobra monocellate (*Naja naja kaouthia),* common Indian braze back or tree snake (*Dendrelaphis tristis),* chameleon (*Chameleon zeylanicus),* etc.; while some rare fauna recorded from the Nandankanan Wildlife Sanctuary are wild boar (*Sus scrota),* ratel (*Mellivora capensis),* Indian poprcupine

(*Hystrix indica),* mouse deer or Indian chevrotain (*Tragulus meminna),* common palm civet (*Paradoxurus hermaphrodites),* jackal (*Canis aureus),* jungle cat (*Fells chaos),* small Indian civet (*Viverricula indica),* striped hyena (*Hyaena hyaena),* Indian flying fox (*Pteropus giganteus),* red jungle fowl (*Gallus gallus murghi),* red spurfowl (*Galloperdix spadicea),* common teal (*Anas crecca),* cadwall (*Anas strepera),* northern pintail (*Anas acuta),* barred buttonquail (*Turnix suscitator),* yellow fronted pied or mahratta woodpecker (*Dendrocopos mahrattensis),* small green barbet (*Megalaima viridis),* copper-smith barbet (*Megalaima haemacephala),* brown-headed barbet (*Megalaima zeylanica),* common hoopoe (*Upupa epops),* blue bee-eater (*Merops philippinus),* yellow monitor lizard (*Varanus falvescens),* banded krait (*Bungarus fasciatus),* checkered keel back (*Xenochrophis piscator),* common green whip snake (*Ahaetulla nasuta),* etc,. and the number of birds of Indian origin stays here round the year and breeding of open bill stork, purple moorhen, jacana, red jungle fowl, Indian peafowl, koel, herons, egrets etc. have been recorded inside the protected area;

AND WHEREAS, it is necessary to conserve and protect the area, the extent and boundaries which are specified in paragraph 1 around the protected area of Nandankanan Wildlife Sanctuary as Eco-Sensitive Zone from ecological, environmental and biodiversity point of view and to prohibit industries or class of industries and their operations and processes in the said Eco-Sensitive Zone;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) and clauses (v) and (xiv) of sub-section (2) and sub-section (3) of section 3 of the Environment (Protection) Act 1986 (29 of 1986) (hereafter in this notification referred to as the Environment Act) read with sub-rule (3) of rule 5 of the Environment (Protection) Rules, 1986, the Central Government hereby notifies an area to an extent varying from 0 (zero) to 340 meters around the boundary of the Nandankanan Wildlife Sanctuary, in Cuttack and Khordha districts in the State of Odisha as Nandankanan Wildlife Sanctuary Eco-sensitive Zone (hereafter in this notification referred to as the Eco-sensitive Zone) details of which are as under, namely: -

1. **Extent and boundaries of Eco-sensitive Zone. –** (1) The Eco-sensitive Zone shall be to an extent of 0 (zero) to 340 meters around the boundary of the Nandankanan Wildlife Sanctuary and the area of the Eco-sensitive Zone is 1.31 square kilometres out of which 0.18 square kilometres comes under Cuttack district and 1.13 square kilometres areas in Khordha district and *zero extent of Eco-sensitive Zone at Northern boundary of the Sanctuary is proposed (i.e. adjacent to the pillar No.131 to 137) as boundary is co-terminus with Chandaka-Dampara Sanctuary along the PWD road.*

(2) The boundary description of Nandankanan Wildlife Sanctuary and its Eco-sensitive Zone is appended as **Annexure-I.**

(3) The maps of the Nandankanan Wildlife Sanctuary demarcating Eco-sensitive Zone along with boundary details and latitudes and longitudes are appended as **Annexure-IIA, Annexure-IIB** and **Annexure-IIC.**

(4) List of geo-coordinates of the boundary of Nandankanan Wildlife Sanctuary and Eco-sensitive Zone are given in Table **A** and Table **B** of **Annexure-III.**

(5) The list of villages falling in the Eco-sensitive Zone along with their geo co-ordinates at prominent points is appended as **Annexure-IV.**

2. Zonal Master Plan for Eco-sensitive Zone.- (1) The State Government shall, for the purposes of the Eco-sensitive Zone prepare a Zonal Master Plan within a period of two years from the date of publication of this notification in the Official Gazette, in consultation with local people and adhering to the stipulations given in this notification for approval of the competent authority in the State.

(2) The Zonal Master Plan for the Eco-sensitive Zone shall be prepared by the State Government in such manner as is specified in this notification and also in consonance with the relevant Central and State laws and the guidelines issued by the Central Government, if any.

(3) The Zonal Master Plan shall be prepared in consultation with the following Departments of the State Government, for integrating the ecological and environmental considerations into the said plan:-

(i) Environment;
(ii) Forest and Wildlife;
(iii) Agriculture;
(iv) Revenue;
(v) Housing and Urban Development;
(vi) Tourism;
(vii) Rural Development;

(viii) Irrigation and Flood Control;
(ix) Municipal;
(x) Odisha State Pollution Control Board;
(xi) Panchayati Raj; and
(xii) Public Works Department (Building and Roads).

(4) The Zonal Master Plan shall not impose any restriction on the approved existing land use, infrastructure and activities, unless so specified in this notification and the Zonal Master Plan shall factor in improvement of all infrastructure and activities to be more efficient and eco-friendly.

(5) The Zonal Master Plan shall provide for restoration of denuded areas, conservation of existing water bodies, management of catchment areas, watershed management, groundwater management, soil and moisture conservation, needs of local community and such other aspects of the ecology and environment that need attention.

(6) The Zonal Master Plan shall demarcate all the existing worshipping places, villages and urban settlements, types and kinds of forests, agricultural areas, fertile lands, green area, such as, parks and like places, horticultural areas, orchards, lakes and other water bodies with supporting maps giving details of existing and proposed land use features.

(7) The Zonal Master Plan shall regulate development in Eco-sensitive Zone and adhere to prohibited and regulated activities listed in the Table in paragraph 4 and also ensure and promote eco-friendly development for security of local communities' livelihood.

(8) The Zonal Master Plan shall be co-terminus with the Regional Development Plan.

(9) The Zonal Master Plan so approved shall be the reference document for the Monitoring Committee for carrying out its functions of monitoring in accordance with the provisions of this notification.

3. Measures to be taken by State Government.- The State Government shall take the following measures for giving effect to the provisions of this notification, namely:-

(1) Land use.– (a) Forests, horticulture areas, agricultural areas, parks and open spaces earmarked for recreational purposes in the Eco-sensitive Zone shall not be used or converted into areas for commercial or residential or industrial activities:

Provided that the conversion of agricultural and other lands, for the purpose other than that specified in clause (a) above, within the Eco-sensitive Zone may be permitted on the recommendation of the Monitoring Committee, and with the prior approval of the competent authority under Regional Town Planning Act and other rules and regulations of the Central Government or State Government as applicable and *vide* provisions of this notification, to meet the residential needs of the local residents and for activities such as-

(i) widening and strengthening of existing roads and construction of new roads;

(ii) construction and renovation of infrastructure and civic amenities;

(iii) small scale industries not causing pollution;

(iv) cottage industries including village industries; convenience stores and local amenities supporting eco-tourism including home stay; and

(v) promoted activities given in paragraph 4:

Provided further that no use of tribal land shall be permitted for commercial and industrial development activities without the prior approval of the competent authority under Regional Town Planning Act and other rules and regulations of the State Government and without compliance of the provisions of article 244 of the Constitution or the law for the time being in force, including the Scheduled Tribes and Other Traditional Forest Dwellers (Recognition of Forest Rights) Act, 2006 (2 of 2007):

Provided also that any error appearing in the land records within the Eco-sensitive Zone shall be corrected by the State Government, after obtaining the views of Monitoring Committee, once in each case and the correction of said error shall be intimated to the Central Government in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change:

Provided also that the correction of error shall not include change of land use in any case except as provided under this sub-paragraph.

(b) Efforts shall be made to reforest the unused or unproductive agricultural areas with afforestation and habitat restoration activities.

(2) Natural water bodies.-The catchment areas of all natural springs shall be identified and plans for their conservation and rejuvenation shall be incorporated in the Zonal Master Plan and the guidelines shall be drawn up by the State Government in such a manner as to prohibit development activities at or near these areas which are detrimental to such areas.

(3) Tourism or eco-tourism.- (a) All new eco-tourism activities or expansion of existing tourism activities within the Eco-sensitive Zone shall be as per the Tourism Master Plan for the Eco-sensitive Zone.

(b) The Tourism Master Plan shall be prepared by the State Department of Tourism in consultation with the State Departments of Environment and Forests.

(c) The Tourism Master Plan shall form a component of the Zonal Master Plan.

(d) The Tourism Master Plan shall be drawn based on the study of carrying capacity of the Eco-sensitive Zone.

(e) The activities of eco-tourism shall be regulated as under, namely:-

(i) new construction of hotels and resorts shall not be allowed within one kilometre from the boundary of the protected area or upto the extent of the Eco-sensitive Zone whichever is nearer:

Provided that beyond the distance of one kilometre from the boundary of the protected area till the extent of the Eco-sensitive Zone, the establishment of new hotels and resorts shall be allowed only in pre-defined and designated areas for eco-tourism facilities as per Tourism Master Plan;

(ii) all new tourism activities or expansion of existing tourism activities within the Eco-sensitive Zone shall be in accordance with the guidelines issued by the Central Government in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change and the eco-tourism guidelines issued by National Tiger Conservation Authority (as amended from time to time) with emphasis on eco-tourism, eco-education and eco-development;

(iii) until the Zonal Master Plan is approved, development for tourism and expansion of existing tourism activities shall be permitted by the concerned regulatory authorities based on the actual site specific scrutiny and recommendation of the Monitoring Committee and no new hotel, resort or commercial establishment construction shall be permitted within Eco-sensitive Zone area.

(4) Natural heritage.- All sites of valuable natural heritage in the Eco-sensitive Zone, such as the gene pool reserve areas, rock formations, waterfalls, springs, gorges, groves, caves, points, walks, rides, cliffs, etc. shall be identified and a heritage conservation plan shall be drawn up for their preservation and conservation as a part of the Zonal Master Plan.

(5) Man-made heritage sites.- Buildings, structures, artefacts, areas and precincts of historical, architectural, aesthetic, and cultural significance shall be identified in the Eco-sensitive Zone and heritage conservation plan for their conservation shall be prepared as part of the Zonal Master Plan.

(6) Noise pollution. - Prevention and control of noise pollution in the Eco-sensitive Zone shall be complied in accordance with the provisions of the Noise Pollution (Regulation and Control) Rules, 2000 under the Environment Act.

(7) Air pollution.- Prevention and control of air pollution in the Eco-sensitive Zone shall be compiled in accordance with the provisions of the Air (Prevention and Control of Pollution) Act, 1981 (14 of 1981) and the rules made thereunder.

(8) Discharge of effluents.- Discharge of treated effluent in Eco-sensitive Zone shall be in accordance with the provisions of the General Standards for Discharge of Environmental Pollutants covered under the Environment Act and the rules made thereunder or standards stipulated by State Government whichever is more stringent.

(9) Solid wastes.- Disposal and management of solid wastes shall be as under:-

(a) the solid waste disposal and management in the Eco-sensitive Zone shall be carried out in accordance with the Solid Waste Management Rules, 2016, published by the Government of India in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change *vide* notification number S.O. 1357 (E), dated the 8th April, 2016; the inorganic material may be disposed in an environmental acceptable manner at site identified outside the Eco-sensitive Zone;

(b) safe and Environmentally Sound Management (ESM) of solid wastes in conformity with the existing rules and regulations using identified technologies may be allowed within Eco-sensitive Zone.

(10) Bio-Medical Waste.– Bio- medical waste management shall be as under:-

(a) the Bio-medical waste disposal in the Eco-sensitive Zone shall be carried out in accordance with the Bio-Medical Waste Management, Rules, 2016, published by the Government of India in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change *vide* notification number G.S.R 343 (E), dated the 28th March, 2016.

(b) safe and Environmentally Sound Management of bio-medical wastes in conformity with the existing rules and regulations using identified technologies may be allowed within the Eco-sensitive Zone.

(11) Plastic waste management.- The plastic waste management in the Eco-sensitive Zone shall be carried out as per the provisions of the Plastic Waste Management Rules, 2016, published by the Government of India in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change *vide* notification number G.S.R. 340(E), dated the 18th March, 2016, as amended from time to time**.**

(12) Construction and demolition waste management.- The construction and demolition waste management in the Eco-sensitive Zone shall be carried out as per the provisions of the Construction and Demolition Waste Management Rules, 2016, published by the Government of India in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change *vide* notification number G.S.R. 317(E), dated the 29th March, 2016, as amended from time to time.

(13) E-waste.- The e - waste management in the Eco-sensitive Zone shall be carried out as per the provisions of the E-Waste Management Rules, 2016, published by the Government of India in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change, as amended from time to time.

(14) Vehicular traffic.– The vehicular movement of traffic shall be regulated in a habitat friendly manner and specific provisions in this regard shall be incorporated in the Zonal Master Plan and till such time as the Zonal Master plan is prepared and approved by the Competent Authority in the State Government, the Monitoring Committee shall monitor compliance of vehicular movement under the relevant Acts and the rules and regulations made thereunder.

(15) Vehicular pollution.- Prevention and control of vehicular pollution shall be incompliance with applicable laws and efforts shall be made for use of cleaner fuels.

(16) Industrial units.– (i) On or after the publication of this notification in the Official Gazette, no new polluting industries shall be permitted to be set up within the Eco-sensitive Zone.

(ii) Only non-polluting industries shall be allowed within Eco-sensitive Zone as per the classification of Industries in the guidelines issued by the Central Pollution Control Board in February, 2016, unless so specified in this notification, and in addition, the non-polluting cottage industries shall be promoted.

(17) Protection of hill slopes.- The protection of hill slopes shall be as under:-

(a) the Zonal Master Plan shall indicate areas on hill slopes where no construction shall be permitted;

(b) construction on existing steep hill slopes or slopes with a high degree of erosion shall not be permitted.

4. List of activities prohibited or to be regulated within Eco-sensitive Zone.- All activities in the Eco sensitive Zone shall be governed by the provisions of the Environment Act and the rules made there under including the Coastal Regulation Zone, 2011 and the Environmental Impact Assessment Notification, 2006 and other applicable laws including the Forest (Conservation) Act, 1980 (69 of 1980), the Indian Forest Act, 1927 (16 of 1927), the Wildlife (Protection) Act 1972 (53 of 1972), and amendments made thereto and be regulated in the manner specified in the Table below, namely:-

TABLE

S. No. (1)	Activity (2)	Description (3)
	A. Prohibited Activities	
1.	Commercial mining, stone quarrying and crushing units.	(a) All new and existing mining (minor and major minerals), stone quarrying and crushing units shall be prohibited with immediate effect except for meeting the domestic needs of bona fide local residents including digging of earth for construction or repair of houses and for manufacture of country tiles or bricks for housing and for personal consumption; (b) The mining operations shall be carried out in accordance with the order of the Hon'ble Supreme Court dated the 4th August, 2006 in the matter of T.N. Godavarman Thirumulpad Vs. UOI in W.P.(C) No.202 of 1995 and dated the 21st April, 2014 in the matter of Goa Foundation Vs. UOI in W.P.(C) No.435 of 2012.
2.	Setting of industries causing pollution (Water, Air, Soil, Noise, etc.).	New industries and expansion of existing polluting industries in the Eco-sensitive Zone shall not be permitted: Provided that non-polluting industries shall be allowed within Eco-sensitive Zone as per classification of Industries in the guidelines issued by the Central Pollution Control Board in February, 2016, unless otherwise specified in this notification and in addition the non-polluting cottage industries shall be promoted.
3.	Establishment of major hydro-electric project.	Prohibited (except as otherwise provided) as per the applicable laws.
4.	Use or production or processing of any hazardous substances.	Prohibited (except as otherwise provided) as per the applicable laws.
5.	Discharge of untreated effluents in natural water bodies or land area.	Prohibited (except as otherwise provided) as per the applicable laws.
6.	Setting up of new saw mills.	New or expansion of existing saw mills shall not be permitted within the Eco-sensitive Zone.
7.	Setting up of brick kilns.	Prohibited (except as otherwise provided) as per the applicable laws.
	B. Regulated Activities	
8.	Commercial establishment of hotels and resorts.	No new commercial hotels and resorts shall be permitted within one kilometer of the boundary of the protected area or upto the extent of Eco-sensitive Zone, whichever is nearer, except for small temporary structures for eco-tourism activities: Provided that, beyond one kilometer from the boundary of the protected area or upto the extent of Eco-sensitive Zone whichever is nearer, all new tourist activities or expansion of existing activities shall be in conformity with the Tourism Master Plan and guidelines as applicable.

S. No. (1)	Activity (2)	Description (3)
9.	Construction activities.	(a) New commercial construction of any kind shall not be permitted within one kilometer from the boundary of the protected area or upto extent of the Eco-sensitive Zone, whichever is nearer: Provided that, local people shall be permitted to undertake construction in their land for their use including the activities mentioned in sub-paragraph (1) of paragraph 3 as per building bye-laws to meet the residential needs of the local residents. Provided further that the construction activity related to small scale industries not causing pollution shall be regulated and kept at the minimum, with the prior permission from the competent authority as per applicable rules and regulations, if any. (b) Beyond one kilometer it shall be regulated as per the Zonal Master Plan.
10.	Small scale non polluting industries.	Non polluting industries as per classification of industries issued by the Central Pollution Control Board in February, 2016 and non-hazardous, small-scale and service industry, agriculture, floriculture, horticulture or agro-based industry producing products from indigenous materials from the Eco-sensitive Zone shall be permitted by the competent Authority.
11.	Felling of trees.	(a) There shall be no felling of trees in the forest or Government or revenue or private lands without prior permission of the Competent Authority in the State Government. (b) The felling of trees shall be regulated in accordance with the provisions of the concerned Central or State Act and the rules made thereunder.
12.	Collection of Forest Produce or Non-Timber Forest Produce.	Regulated as per the applicable laws.
13.	Erection of electrical and communication towers and laying of cables and other infrastructures.	Regulated under applicable laws (underground cabling may be promoted).
14.	Infrastructure including civic amenities.	Taking measures of mitigation as per the applicable laws, rules and regulations available guidelines.
15.	Widening and strengthening of existing roads and construction of new roads.	Taking measures of mitigation as per the applicable laws, rules and regulation and available guidelines.
16.	Undertaking other activities related to tourism like flying over the Eco-sensitive Zone area by hot air balloon, helicopter, drones, microlites, etc.	Regulated as per the applicable laws.
17.	Protection of hill slopes and river banks.	Regulated as per the applicable laws.
18.	Movement of vehicular traffic at night.	Regulated for commercial purpose under applicable laws.

S. No. (1)	Activity (2)	Description (3)
19.	Ongoing agriculture and horticulture practices by local communities along with dairies, dairy farming, aquaculture and fisheries.	Permitted as per the applicable laws for use of locals.
20.	Establishment of large-scale commercial livestock and poultry farms by firms, corporate and companies.	Regulated (except otherwise provided) as per the applicable laws except for meeting local needs.
21.	Discharge of treated waste water or effluents in natural water bodies or land area.	The discharge of treated waste water or effluents shall be avoided to enter into the water bodies and efforts shall be made for recycle and reuse of treated waste water. Otherwise the discharge of treated waste water or effluent shall be regulated as per the applicable laws.
22.	Commercial extraction of surface and ground water.	Regulated as per the applicable laws.
23.	Open well, bore well, etc. for agriculture or other usage	Regulated as per applicable laws and the activity shall be strictly monitored by the concerned authority.
24.	Solid waste management.	Regulated as per the applicable laws.
25.	Introduction of exotic species.	Regulated as per the applicable laws.
26.	Eco-tourism.	Regulated as per the applicable laws.
27.	Use of polythene bags.	Regulated as per the applicable laws.
28.	Commercial sign boards and hoardings.	Regulated as per the applicable laws.
C. Promoted Activities		
29.	Rain water harvesting.	Shall be actively promoted.
30.	Organic farming.	Shall be actively promoted.
31.	Adoption of green technology for all activities.	Shall be actively promoted.
32.	Cottage industries including village artisans, etc.	Shall be actively promoted.
33.	Use of renewable energy and fuels.	Bio-gas, solar light, etc. shall be actively promoted.
34.	Agro-forestry.	Shall be actively promoted.
35.	Plantation of horticulture and herbals.	Shall be actively promoted.
36.	Use of eco-friendly transport.	Shall be actively promoted.
37.	Skill development.	Shall be actively promoted.
38.	Restoration of degraded land/ forests/ habitat.	Shall be actively promoted.
39.	Environmental awareness.	Shall be actively promoted.

5. Monitoring Committee.- For effective monitoring of the provisions of this notification, the Central Government hereby constitutes a Monitoring Committee, comprising of the following, namely:-

S. No.	Constituent of Monitoring Committee	Designation
(i)	Collector, Khordha	Chairman, ex officio;

(ii)	Collector, Cuttack or Representative of the Collector	Member;
(iii)	Deputy Commissioner of Police or Representative of Deputy Commissioner of Police, Bhubaneswar	Member;
(iv)	One representative of non-Governmental Organisations working in the field of environment to be nominated by the Central Government	Member;
(v)	Secretary, Bhubaneswar Development Authority	Member;
(vi)	An expert in biodiversity nominated by the State Government	Member;
(vii)	One expert in ecology from reputed institution or university of the State	Member;
(viii)	Representative of Commissioner, Bhubaneswar Municipal Corporation	Member;
(ix)	Representative of Member Secretary, Odisha State Pollution Control Board	Member;
(x)	Deputy Director, Nandankanan Zoological Park and Wildlife Warden, Nandankanan Sanctuary	Member-Secretary.

6. Terms of reference. – (1) The Monitoring Committee shall monitor the compliance of the provisions of this notification.

(2) The tenure of the Monitoring committee shall be for three years or till the re-constitution of the new Committee by the State Government and subsequently the Monitoring Committee shall be constituted by the State Government.

(3) The activities that are covered in the Schedule to the notification of the Government of India in the erstwhile Ministry of Environment and Forests number S.O. 1533 (E), dated the 14th September, 2006, and are falling in the Eco-sensitive Zone, except for the prohibited activities as specified in the Table under paragraph 4 thereof, shall be scrutinised by the Monitoring Committee based on the actual site-specific conditions and referred to the Central Government in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change for prior environmental clearances under the provisions of the said notification.

(4) The activities that are not covered in the Schedule to the notification of the Government of India in the erstwhile Ministry of Environment and Forest number S.O. 1533 (E), dated the 14th September, 2006 and are falling in the Eco-sensitive Zone, except for the prohibited activities as specified in the Table under paragraph 4 thereof, shall be scrutinised by the Monitoring Committee based on the actual site-specific conditions and referred to the concerned regulatory authorities.

(5) The Member-Secretary of the Monitoring Committee or the concerned Deputy Commissioner(s) shall be competent to file complaints under section 19 of the Environment Act, against any person who contravenes the provisions of this notification.

(6) The Monitoring Committee may invite representatives or experts from concerned Departments, representatives from industry associations or concerned stakeholders to assist in its deliberations depending on the requirements on issue to issue basis.

(7) The Monitoring Committee shall submit the annual action taken report of its activities as on the 31st March of every year by the 30th June of that year to the Chief Wildlife Warden in the State as per proforma appended at **Annexure V**.

(8) The Central Government in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change may give such directions, as it deems fit, to the Monitoring Committee for effective discharge of its functions.

7. Additional measures.- The Central Government and State Government may specify additional measures, if any, for giving effect to provisions of this notification.

8. Supreme Court, etc. order.-The provisions of this notification shall be subject to the orders, if any passed or to be passed by the Hon'ble Supreme Court of India or High Court or the National Green Tribunal.

[F. No. 25/49/2017-ESZ]

DR. SATISH C. GARKOTI, Scientist 'G'

ANNEXURE- I

BOUNDARY DESCRIPTION OF ECO-SENSITIVE ZONE AROUND NANDANKANAN WILDLIFE SANCTUARY IN THE STATE OF ODISHA

The Eco-sensitive Zone in respect of Nandankanan Sanctuary is the area up to one hundred meters from the boundary of the protected area except from the boundary Pillar No. 1 to 11 with average distance of 150 meters, from pillar No. 11 to 25 with average distance of 125 meters, from pillar No. 25 to 32 it merges with PWD road along the Sanctuary boundary, from pillar No. 32 to 51 with average distance of 270 meters covering entire alienated plot No. 5 (Gramya Jungle), from pillar No. 87 to 112 with average distance of 340 meters covering the swampy area. The boundary of Chandaka-Dampara Sanctuary (Churang R.F.) being located in the Northern boundary of the Sanctuary i.e. adjacent to the pillar No.131 to 137, the ESZ has not been demarcated as the Sanctuary border pillar No. 131 to 137 goes co-terminus with Chandaka-Dampara Sanctuary along the PWD road.

ANNEXURE- IIA

LOCATION MAP OF NANDANKANAN WILDLIFE SANCTUARY AND ITS ECO-SENSITIVE ZONE ALONG WITH LATITUDE AND LONGITUDE OF PROMINENT LOCATIONS

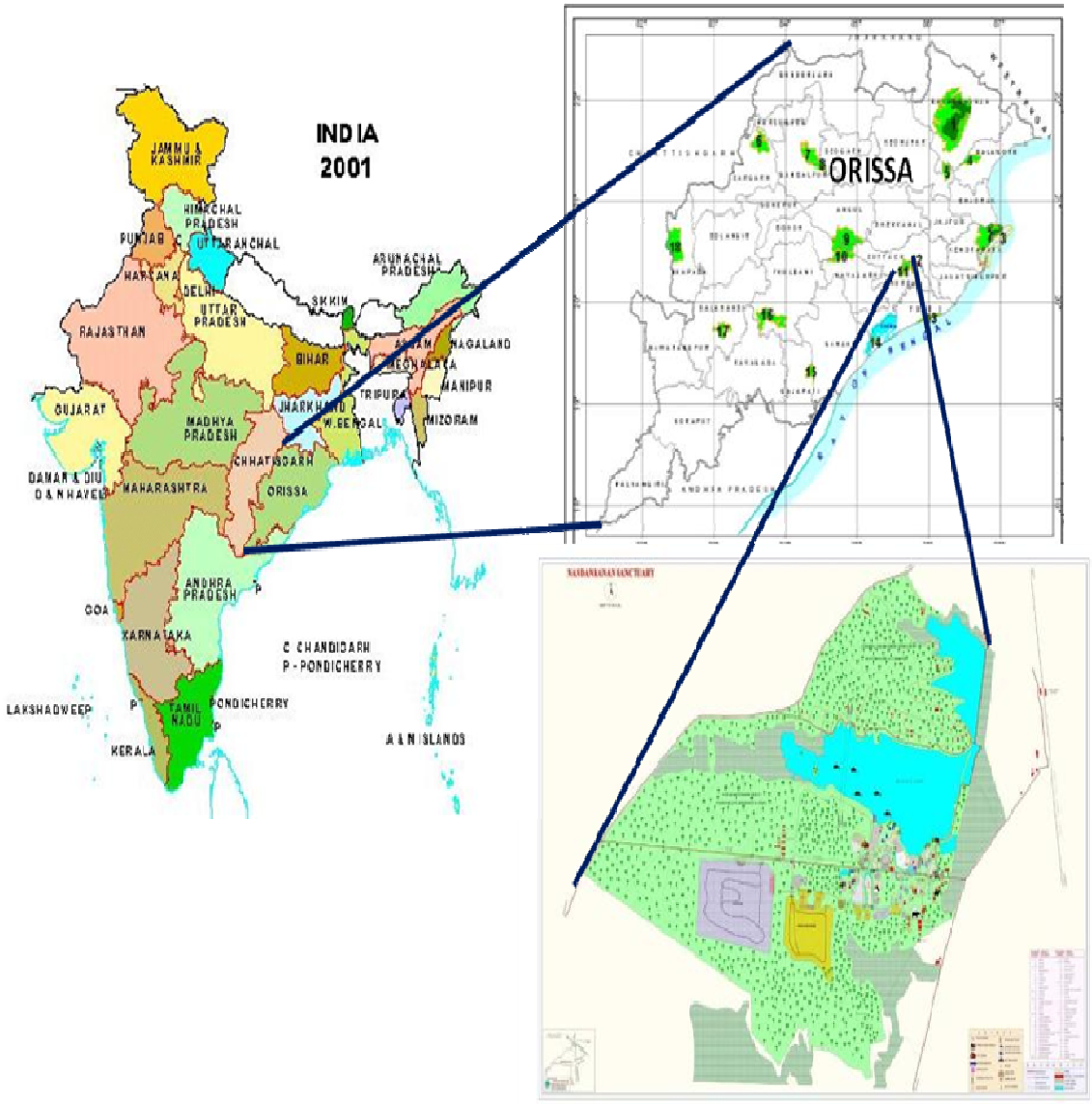

ANNEXURE- IIB

MAP OF ECO-SENSITIVE ZONE OF NANDANKANAN WILDLIFE SANCTUARY ALONG WITH LATITUDE AND LONGITUDE OF PROMINENT LOCATIONS

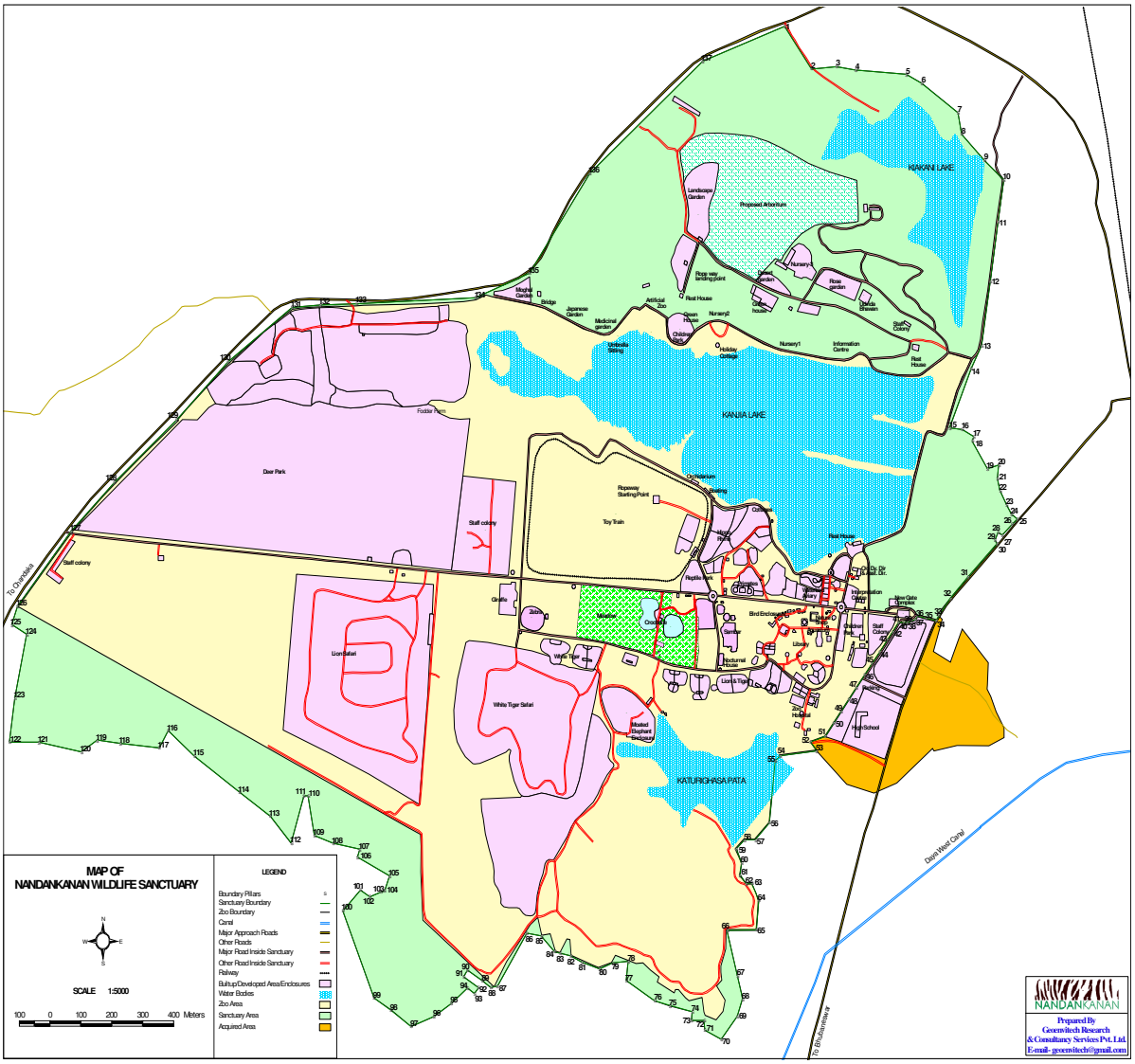

ANNEXURE- IIC

MAP SHOWING LANDUSE PATTERN OF ECO-SENSITIVE ZONE OF NANDANKANAN WILDLIFE SANCTUARY ALONG WITH LATITUDE AND LONGITUDE OF PROMINENT LOCATIONS ON SURVEY OF INDIA (SOI) TOPOSHEET

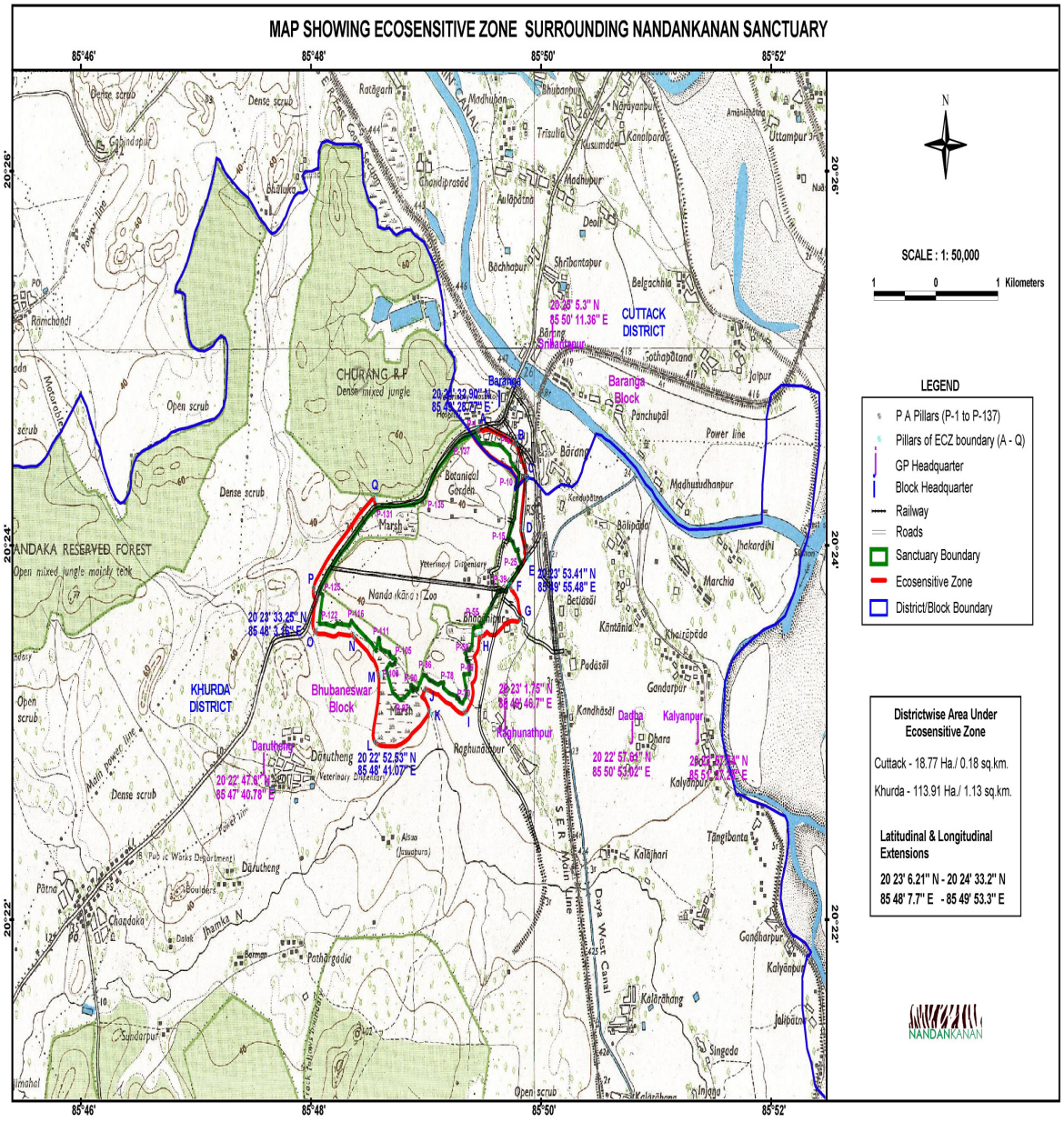

ANNEXURE-III

TABLE A: GEO- COORDINATES OF PROMINENT LOCATIONS OF NANDANKANAN WILDLIFE SANCTUARY

Boundary pillar	Global Positioning System (GPS) location					
	North (latitude)			East (longitude)		
	Degree	Minute	Second	Degree	Minute	Second
1	20	24	35.300	85	49	20.700
2	20	24	31.733	85	49	23.543
3	20	24	31.917	85	49	26.136

4	20	24	31.647	85	49	28.141
5	20	24	31.300	85	49	33.447
6	20	24	30.568	85	49	35.092
7	20	24	28.075	85	49	38.895
8	20	24	26.251	85	49	39.281
9	20	24	24.002	85	49	41.697
10	20	24	22.318	85	49	43.674
11	20	24	18.635	85	49	43.107
12	20	24	13.463	85	49	42.218
13	20	24	07.874	85	49	41.286
14	20	24	05.904	85	49	40.183
15	20	24	00.700	85	49	37.935
16	20	24	00.582	85	49	39.166
17	20	23	59.950	85	49	40.387
18	20	23	59.533	85	49	40.269
19	20	23	57.091	85	49	41.854
20	20	23	57.445	85	49	43.06
21	20	23	56.267	85	49	42.892
22	20	23	55.207	85	49	43.139
23	20	23	54.050	85	49	43.835
24	20	23	53.269	85	49	44.284
25	20	23	52.830	85	49	44.927
26	20	23	52.369	85	49	44.34
27	20	23	51.395	85	49	43.374
28	20	23	51.684	85	49	42.957
29	20	23	50.977	85	49	42.582
30	20	23	50.699	85	49	42.818
31	20	23	47.936	85	49	39.755
32	20	23	46.041	85	49	37.967
33	2	23	44.671	85	49	36.650
34	20	23	44.221	85	49	36.404
35	20	23	44.414	85	49	35.386
36	20	23	44.606	85	49	34.476
37	20	23	44.317	85	49	34.241
38	20	23	44.189	85	49	33.877
39	20	23	44.082	85	49	33.438
40	20	23	44.060	85	49	33.031
41	20	23	44.059	85	49	32.510
42	20	23	43.228	85	49	31.979
43	20	23	42.539	85	49	31.375
44	20	23	41.528	85	49	30.565
45	20	23	40.522	85	49	29.730
46	20	23	39.596	85	49	28.955
47	20	23	38.554	85	49	28.048
48	20	23	37.552	85	49	27.251
49	20	23	36.524	85	49	26.468
50	20	23	35.509	85	49	25.658
51	20	23	34.416	85	49	24.751

52	20	23	34.004	85	49	23.236
53	20	23	33.134	85	49	23.860
54	20	23	32.807	85	49	20.109
55	20	23	32.383	85	49	19.633
56	20	23	27.058	85	49	19.059
57	20	23	25.606	85	49	17.581
58	20	23	25.580	85	49	16.476
59	20	23	24.861	85	49	15.603
60	20	23	23.602	85	49	16.142
61	20	23	22.574	85	49	16.039
62	20	23	21.803	85	49	16.669
63	20	23	21.867	85	49	17.273
64	20	23	20.402	85	49	17.992
65	20	23	17.832	85	49	17.800
66	20	23	17.807	85	49	14.754
67	20	23	13.939	85	49	15.885
68	20	23	11.896	85	49	16.412
69	20	23	10.431	85	49	15.885
70	20	23	08.388	85	49	14.266
71	20	23	09.224	85	49	12.532
72	20	23	10.046	85	49	12.429
73	20	23	10.046	85	49	11.118
74	20	23	10.778	85	49	11.195
75	20	23	11.292	85	49	08.89
76	20	23	11.781	85	49	07.302
77	20	23	13.502	85	49	04.282
78	20	23	15.134	85	49	04.475
79	20	23	14.993	85	49	02.856
80	20	23	14.517	85	49	01.533
81	20	23	15.070	85	48	59.657
82	20	23	15.622	85	48	58.513
83	20	23	15.867	85	48	57.395
84	20	23	16.008	85	48	56.856
85	20	23	17.306	85	48	55.417
86	20	23	17.537	85	48	53.926
87	20	23	12.988	85	48	50.919
88	20	23	12.911	85	48	50.238
89	20	23	13.489	85	48	49.365
90	20	23	14.415	85	48	47.771
91	20	23	13.862	85	48	47.424
92	20	23	12.886	85	48	48.954
93	20	23	12.333	85	48	48.555
94	20	23	12.847	85	48	47.810
95	20	23	11.511	85	48	46.140
96	20	23	10.393	85	48	44.328
97	20	23	09.545	85	48	42.002
98	20	23	10.920	85	48	39.831
99	20	23	11.986	85	48	38.083

100	20	23	19.567	85	48	34.832
101	20	23	21.340	85	48	36.618
102	20	23	20.749	85	48	37.544
103	20	23	21.160	85	48	38.738
104	20	23	21.225	85	48	39.098
105	20	23	22.497	85	48	39.625
106	20	23	24.128	85	48	36.297
107	20	23	24.822	85	48	36.516
108	20	23	25.375	85	48	33.766
109	20	23	26.056	85	48	31.826
110	20	23	29.409	85	48	31.145
111	20	23	29.422	85	48	30.669
112	20	23	25.401	85	48	29.449
113	20	23	27.713	85	48	27.174
114	20	23	29.744	85	48	24.013
115	20	23	32.866	85	48	19.285
116	20	23	34.986	85	48	16.561
117	20	23	33.560	85	48	15.623
118	20	23	33.881	85	48	11.537
119	20	23	34.125	85	48	09.160
120	20	23	33.200	85	48	07.554
121	20	23	33.958	85	48	03.108
122	20	23	33.984	85	48	00.050
123	20	23	37.761	85	48	00.538
124	20	23	43.132	85	48	01.746
125	20	23	43.980	85	48	00.140
126	20	23	45.574	85	48	00.708
127	20	23	52.053	85	48	06.365
128	20	23	56.191	85	48	10.944
129	20	24	01.566	85	48	17.521
130	20	24	06.530	85	48	23.000
131	20	24	11.190	85	48	29.763
132	20	24	11.426	85	48	32.771
133	20	24	11.533	85	48	36.605
134	20	24	12.117	85	48	49.063
135	20	24	14.247	85	48	54.346
136	20	24	22.761	85	49	00.468
137	20	24	32.623	85	49	12.132

TABLE B: GEO-COORDINATES OF PROMINENT LOCATIONS OF ECO-SENSITIVE ZONE

Eco-sensitive Zone boundary Pillar Coordinate of Important Locations		
Pillar	**Longitude (E)**	**Latitude (N)**
A	85.82496	20.40941
B	85.83039	20.40817
C	85.8321	20.40513
D	85.83134	20.40065
E	85.83229	20.39799

F	85.82972	20.39551
G	85.83115	20.39256
H	85.82544	20.39113
I	85.82316	20.38428
J	85.81754	20.38619
K	85.81811	20.38428
L	85.81031	20.38152
M	85.81078	20.38761
N	85.80697	20.39113
O	85.80145	20.39152
P	85.80126	20.39523
Q	85.81012	20.40341

ANNEXURE-IV

LIST OF VILLAGES COMING UNDER ECO-SENSITIVE ZONE OF NANDANKANAN WILDLIFE SANCTUARY ALONG WITH GEO-COORDINATES

District	Village	Area (Ha)	Longitude	Latitude	Pillar ID
Cuttack	Dadhapatna	18.77	85°49'20.700"	20°24'35.300"	1
			85°49'26.869"	20°24'36.529"	2
			85°49'37.628"	20°24'32.828"	3
			85°49'41.534"	20°24'30.910"	4
			85°49'46.469"	20°24'22.686"	5
			85°49'46.301"	20°24'20.840"	6
			85°49'44.508"	20°24'19.927"	7
			85°49'43.251"	20°24'18.950"	8
			85°49'43.841"	20°24'22.373"	9
			85°49'41.696"	20°24'24.002"	10
			85°49'39.281"	20°24'26.251"	11
			85°49'38.896"	20°24'28.075"	12
			85°49'35.092"	20°24'30.568"	13
			85°49'33.447"	20°24'31.301"	14
			85°49'28.141"	20°24'31.647"	15
			85°49'26.136"	20°24'31.917"	16
			85°49'23.700"	20°24'31.800"	17
Khordha	Dadha	7.678	85°49'46.301"	20°24'20.840"	6
			85°49'44.508"	20°24'19.927"	7
			85°49'43.251"	20°24'18.950"	8
			85°49'45.852"	20°24'15.902"	18
			85°49'44.139"	20°24'06.582"	19
			85°49'44.070"	20°24'02.744"	20
			85°49'45.852"	20°23'58.359"	21
			85°49'46.126"	20°23'55.686"	22
			85°49'46.743"	20°23'54.384"	23
			85°49'45.768"	20°23'53.754"	24

			85°49'44.535"	20°23'54.902"	25
			85°49'43.884"	20°23'56.067"	26
			85°49'43.558"	20°23'56.992"	27
			85°49'43.764"	20°23'58.208"	28
			85°49'42.428"	20°23'57.848"	29
			85°49'40.851"	20°24'00.178"	30
			85°49'40.868"	20°24'00.572"	31
			85°49'39.669"	20°24'01.155"	32
			85°49'38.444"	20°24'01.258"	33
			85°49'40.586"	20°24'06.397"	34
			85°49'41.656"	20°24'08.196"	35
			85°49'42.428"	20°24'13.636"	36
Khordha	Jujhagada	60.828	85°48'53.575"	20°23'11.456"	65
			85°48'52.268"	20°23'13.302"	66
			85°48'52.241"	20°23'14.537"	67
			85°48'52.435"	20°23'15.544"	68
			85°48'54.409"	20°23'09.961"	129
			85°48'54.897"	20°23'09.549"	130
			85°48'56.542"	20°23'07.185"	131
			85°48'56.509"	20°23'06.153"	132
			85°48'56.490"	20°23'05.540"	133
			85°48'55.257"	20°23'03.587"	134
			85°48'51.556"	20°23'00.966"	135
			85°48'47.907"	20°22'58.910"	136
			85°48'45.440"	20°22'57.009"	137
			85°48'42.613"	20°22'55.723"	138
			85°48'40.146"	20°22'55.055"	139
			85°48'35.006"	20°22'55.107"	140
			85°48'30.432"	20°22'55.980"	141
			85°48'28.633"	20°22'56.854"	142
			85°48'27.811"	20°22'58.499"	143
			85°48'28.530"	20°23'02.714"	144
			85°48'30.638"	20°23'10.423"	145
			85°48'30.895"	20°23'13.918"	146
			85°48'30.792"	20°23'17.002"	147
			85°48'30.278"	20°23'20.034"	148
			85°48'28.685"	20°23'22.347"	149
			85°48'26.834"	20°23'23.837"	150
			85°48'24.110"	20°23'26.510"	151
			85°48'16.966"	20°23'31.290"	152
			85°48'10.233"	20°23'31.753"	153
			85°48'07.972"	20°23'30.981"	154
			85°47'58.875"	20°23'32.266"	155
			85°47'57.384"	20°23'33.603"	156
			85°47'56.973"	20°23'35.556"	157
			85°47'57.539"	20°23'40.387"	158
			85°47'58.207"	20°23'43.059"	159
			85°47'58.016"	20°23'43.351"	160

			85°48'28.464"	20°24'10.295"	171
			85°48'23.000"	20°24'06.530"	172
			85°48'17.521"	20°24'01.566"	173
			85°48'10.944"	20°23'56.190"	174
			85°48'06.365"	20°23'52.053"	175
			85°48'00.708"	20°23'45.574"	176
			85°48'00.140"	20°23'43.980"	177
			85°48'01.746"	20°23'43.132"	178
			85°48'00.538"	20°23'37.761"	179
			85°48'00.050"	20°23'33.984"	180
			85°48'03.108"	20°23'33.958"	181
			85°48'07.328"	20°23'33.229"	182
			85°48'09.179"	20°23'34.283"	183
			85°48'15.629"	20°23'33.615"	184
			85°48'16.400"	20°23'35.131"	185
			85°48'19.227"	20°23'32.972"	186
			85°48'23.904"	20°23'29.863"	187
			85°48'27.013"	20°23'27.833"	188
			85°48'29.274"	20°23'25.391"	189
			85°48'30.559"	20°23'29.477"	190
			85°48'31.022"	20°23'29.529"	191
			85°48'31.665"	20°23'26.137"	192
			85°48'33.695"	20°23'25.366"	193
			85°48'36.444"	20°23'24.980"	194
			85°48'36.264"	20°23'24.184"	195
			85°48'39.502"	20°23'22.693"	196
			85°48'38.988"	20°23'21.331"	197
			85°48'37.344"	20°23'20.843"	198
			85°48'36.444"	20°23'21.434"	199
			85°48'34.645"	20°23'19.584"	200
			85°48'37.781"	20°23'12.054"	201
			85°48'39.631"	20°23'10.949"	202
			85°48'41.687"	20°23'09.613"	203
			85°48'44.025"	20°23'10.384"	204
			85°48'45.927"	20°23'11.514"	205
			85°48'47.546"	20°23'12.928"	206
			85°48'48.265"	20°23'12.388"	207
			85°48'48.728"	20°23'12.928"	208
			85°48'47.186"	20°23'13.879"	209
			85°48'47.649"	20°23'14.521"	210
			85°48'49.113"	20°23'13.467"	211
			85°48'50.090"	20°23'12.902"	212
			85°48'50.809"	20°23'12.953"	213
			85°49'28.084"	20°23'38.549"	111
			85°49'29.374"	20°23'38.755"	112
			85°49'30.693"	20°23'39.380"	113
			85°49'32.011"	20°23'40.417"	114
			85°49'33.110"	20°23'41.653"	115

			85°49'33.082"	20°23'42.896"	116
			85°49'32.839"	20°23'44.355"	117
			85°49'32.127"	20°23'43.576"	124
			85°49'31.506"	20°23'42.848"	125
			85°49'30.702"	20°23'41.830"	126
			85°49'29.910"	20°23'40.771"	127
			85°49'29.075"	20°23'39.839"	128
Khordha	Raghunathapur	35.470	85°49'38.252"	20°23'46.324"	37
			85°49'39.458"	20°23'43.368"	38
			85°49'42.670"	20°23'40.927"	39
			85°49'44.083"	20°23'34.887"	40
			85°49'42.284"	20°23'33.731"	41
			85°49'37.916"	20°23'34.117"	42
			85°49'34.960"	20°23'32.575"	43
			85°49'30.206"	20°23'29.620"	44
			85°49'27.893"	20°23'29.877"	45
			85°49'26.608"	20°23'30.776"	46
			85°49'24.552"	20°23'29.491"	47
			85°49'22.368"	20°23'29.363"	48
			85°49'21.854"	20°23'25.122"	49
			85°49'19.798"	20°23'22.938"	50
			85°49'21.212"	20°23'20.625"	51
			85°49'20.698"	20°23'16.770"	52
			85°49'20.235"	20°23'15.665"	53
			85°49'18.848"	20°23'14.226"	54
			85°49'19.516"	20°23'11.040"	55
			85°49'18.436"	20°23'08.264"	56
			85°49'16.380"	20°23'05.746"	57
			85°49'14.376"	20°23'04.718"	58
			85°49'13.245"	20°23'04.770"	59
			85°49'08.774"	20°23'07.288"	60
			85°49'04.332"	20°23'09.453"	61
			85°49'01.064"	20°23'11.400"	62
			85°48'58.598"	20°23'12.016"	63
			85°48'54.691"	20°23'13.250"	64
			85°48'53.575"	20°23'11.456"	65
			85°48'52.268"	20°23'13.302"	66
			85°48'52.241"	20°23'14.537"	67
			85°48'52.435"	20°23'15.544"	68
			85°48'53.842"	20°23'17.785"	69
			85°48'55.204"	20°23'17.425"	70
			85°48'56.720"	20°23'16.089"	71
			85°48'57.337"	20°23'16.063"	72
			85°48'57.979"	20°23'17.142"	73
			85°48'58.211"	20°23'17.117"	74
			85°48'58.391"	20°23'15.729"	75
			85°48'59.495"	20°23'15.138"	76
			85°49'01.397"	20°23'14.624"	77

			85°49'02.656"	20°23'15.138"	78
			85°49'04.327"	20°23'15.215"	79
			85°49'04.095"	20°23'13.570"	80
			85°49'07.102"	20°23'11.823"	81
			85°49'08.516"	20°23'11.360"	82
			85°49'11.060"	20°23'10.872"	83
			85°49'10.931"	20°23'10.101"	84
			85°49'12.242"	20°23'10.127"	85
			85°49'12.345"	20°23'09.227"	86
			85°49'14.066"	20°23'08.379"	87
			85°49'15.685"	20°23'10.487"	88
			85°49'16.217"	20°23'11.964"	89
			85°49'15.729"	20°23'14.007"	90
			85°49'15.125"	20°23'15.948"	91
			85°49'14.663"	20°23'17.939"	92
			85°49'17.721"	20°23'18.029"	93
			85°49'17.913"	20°23'20.586"	94
			85°49'17.220"	20°23'22.051"	95
			85°49'16.603"	20°23'21.935"	96
			85°49'15.973"	20°23'22.719"	97
			85°49'16.166"	20°23'23.747"	98
			85°49'15.678"	20°23'25.057"	99
			85°49'16.474"	20°23'25.751"	100
			85°49'17.656"	20°23'25.833"	101
			85°49'19.121"	20°23'27.272"	102
			85°49'19.558"	20°23'32.310"	103
			85°49'20.213"	20°23'33.042"	104
			85°49'24.068"	20°23'33.389"	105
			85°49'23.259"	20°23'34.198"	106
			85°49'24.878"	20°23'34.648"	107
			85°49'25.867"	20°23'35.817"	108
			85°49'26.651"	20°23'36.807"	109
			85°49'27.512"	20°23'37.860"	110
			85°49'28.084"	20°23'38.549"	111
			85°49'29.374"	20°23'38.755"	112
			85°49'30.693"	20°23'39.380"	113
			85°49'32.011"	20°23'40.417"	114
			85°49'33.110"	20°23'41.653"	115
			85°49'33.082"	20°23'42.896"	116
			85°49'32.839"	20°23'44.355"	117
			85°49'34.054"	20°23'44.443"	118
			85°49'34.322"	20°23'44.561"	119
			85°49'34.771"	20°23'44.904"	120
			85°49'35.617"	20°23'44.754"	121
			85°49'36.710"	20°23'44.491"	122
			85°49'36.967"	20°23'44.954"	123
			85°49'32.127"	20°23'43.576"	124
			85°48'54.409"	20°23'09.961"	129

			85°48'54.897"	20°23'09.549"	130
			85°48'56.542"	20°23'07.185"	131
			85°48'56.509"	20°23'06.153"	132
			85°48'56.490"	20°23'05.540"	133
Khordha	Krushna nagar	9.934	85°47'58.207"	20°23'43.059"	159
			85°47'58.016"	20°23'43.351"	160
			85°47'59.644"	20°23'46.027"	161
			85°48'03.132"	20°23'50.785"	162
			85°48'08.158"	20°23'55.544"	163
			85°48'11.207"	20°23'58.647"	164
			85°48'16.892"	20°24'04.024"	165
			85°48'21.699"	20°24'07.745"	166
			85°48'25.846"	20°24'10.025"	167
			85°48'29.389"	20°24'11.241"	168
			85°48'29.741"	20°24'11.259"	169
			85°48'29.763"	20°24'11.190"	170
			85°47'57.333"	20°23'44.396"	214
			85°47'57.179"	20°23'45.989"	215
			85°47'57.744"	20°23'47.891"	216
			85°48'02.113"	20°23'53.442"	217
			85°48'05.556"	20°23'56.885"	218
			85°48'10.131"	20°24'01.100"	219
			85°48'16.041"	20°24'05.674"	220
			85°48'21.284"	20°24'10.608"	221
			85°48'27.091"	20°24'14.617"	222
			85°48'28.479"	20°24'15.234"	223

ANNEXURE –V

Performa of Action Taken Report:

1. Number and date of meetings.
2. Minutes of the meetings: (Mention noteworthy points. Attach minutes of the meeting as separate Annexure).
3. Status of preparation of Zonal Master Plan including Tourism Master Plan.
4. Summary of cases dealt with rectification of error apparent on face of land record (Eco-sensitive Zone wise). Details may be attached as Annexure.
5. Summary of cases scrutinised for activities covered under the Environment Impact Assessment Notification, 2006 (Details may be attached as separate Annexure).
6. Summary of cases scrutinised for activities not covered under the Environment Impact Assessment Notification, 2006 (Details may be attached as separate Annexure).
7. Summary of complaints lodged under section 19 of the Environment (Protection) Act, 1986.
8. Any other matter of importance.

Uploaded by Dte. of Printing at Government of India Press, Ring Road, Mayapuri, New Delhi-110064
and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054.

MANOJ KUMAR VERMA Digitally signed by MANOJ KUMAR VERMA Date: 2019.12.17 18:23:43 +05'30'